हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-30, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 08 जुलाई 2026

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपाइयों ने किया...02

एकेटीयू दीक्षांत- राज्यपाल ने दी 62537 छात्रों को डिग्रियां...06

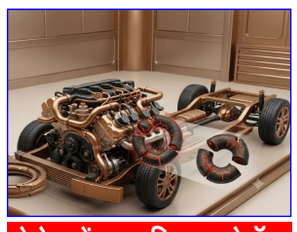

पेट्रोल में 25 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का प्लान टल सकता है

चांदी 4,408 गिरकर 2.29 लाख पर आई

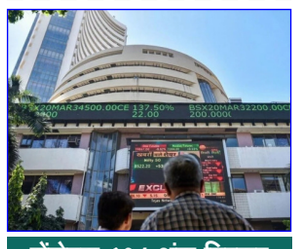

सेंसेक्स 104 अंक गिरकर 78,181 पर बंद

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा मामले में हाईकोर्ट ने ईडी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। कथित मनी लॉन्ड्रिंग और जीएसटी धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार पंजाब के मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर मामले की मौजूदा स्थिति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। वहीं, इस मामले की सुनवाई गुरुग्राम की विशेष अदालत में भी जारी है, जहां अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। संजीव अरोड़ा फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने हाईकोर्ट में दायर याचिका में अपनी गिरफ्तारी को अवैध और संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत बताते हुए गुरुग्राम की अदालत के रिमांड आदेश को रद्द करने की मांग की है।

तृणमूल कांग्रेस के बैंक खातों पर ईडी की नजर

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस के बैंक खातों और पार्टी फंड से जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत मंगलवार सुबह कोलकाता और आसपास के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने राधाबाजार, साल्टलेक, अलीपुर, न्यूटाउन और हावड़ा में अलग-अलग टीमों के माध्यम से केंद्रीय बलों की मौजूदगी में तलाशी अभियान चलाया। ईडी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में 150 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि को एविएशन और ट्रैवल कंपनियों के माध्यम से संदिग्ध उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित किए जाने के संकेत मिले हैं। एजेंसी इन लेनदेन की प्रकृति, धन के स्रोत और इसके अंतिम उपयोग की विस्तृत जांच कर रही है। जांच का मुख्य फोकस तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के चार्टर्ड विमान के किराये के भुगतान, उस भुगतान के स्रोत तथा पार्टी के बैंक खातों से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर है।

करूर भगदड़ मामले में डीएमके को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। करूर भगदड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें सत्तारूढ़ तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टीवीके) के नेताओं पर सार्वजनिक बयानबाजी करने से रोक लगाने की मांग की गई थी। डीएमके ने अपनी याचिका में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और मंत्री आधाव अर्जुना सहित टीवीके के शीर्ष नेताओं को ऐसे सार्वजनिक बयान देने से रोकने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी

मुख्यमंत्री योगी ने प्रतापगढ़ को 384 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी

प्रतापगढ़, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रतापगढ़ जिले के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) परिसर में आयोजित जनसभा में लगभग 384 करोड़ रुपये लागत की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता एवं प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं और जिनकी भगवान राम में आस्था नहीं है, वे आज अयोध्या की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया की नीति पर चलती थीं, जबकि वर्तमान सरकार वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ का आंवला उत्पाद विश्वभर में अपनी पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री ने वक्फ संपत्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व की सरकारों में इन संपत्तियों का दुरुपयोग किया गया और चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जबकि इनका उपयोग गरीबों के कल्याण के लिए होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यदि इन संसाधनों का सदुपयोग कर कन्वेंशन सेंटर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान विकसित किए जाते तो क्षेत्र के विकास को गति मिलती। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय जनता के धन से कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने जैसे कार्यों पर अधिक ध्यान दिया गया।

योगी ने कहा कि प्रतापगढ़ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद है। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाले वीर गुलाब सिंह को नमन किया। साथ ही करपात्री महाराज और जगदुरु कृपालु महाराज के योगदान को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाबी, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वीकृति पत्र, चेक और अन्य प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली प्रतापगढ़ की श्रद्धा पांडेय को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

भारत-जापान के बीच हुई पहली रक्षा सह-विकास डील

अब भारत में बनेंगे यूनिकॉर्न नौसैनिक कम्युनिकेशन मास्ट

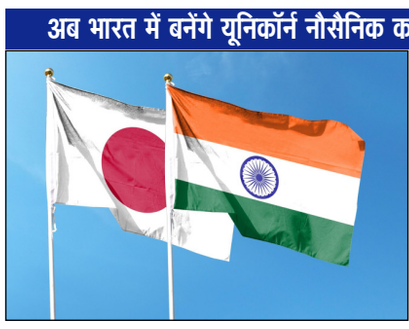

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में संयुक्त रूप से उपकरण विकसित करने के लिए अपना पहला द्विपक्षीय समझौता किया है, जिसे दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रही रणनीतिक और सुरक्षा साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जापान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के तहत पहला संयुक्त प्रोजेक्ट यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) शिपबोर्न कम्युनिकेशन मास्ट के विकास और लाइसेंस प्राप्त उत्पादन पर केंद्रित होगा। यह एक अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड मास्ट सिस्टम है, जिसे जापान की एनईसी कॉर्पोरेशन ने विकसित किया है। इस समझौते के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) जापानी साझेदारों के सहयोग से इस सिस्टम का निर्माण भारत में करेगी। जापान इस परियोजना के लिए डिजाइन और मुख्य तकनीक उपलब्ध कराएगा, जबकि केंद्र सरकार की श्मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत सिस्टम इंटीग्रेशन, स्थानीयकरण और उत्पादन का कार्य करेगा। हालांकि यूनिकॉर्न सिस्टम मूल रूप से एनईसी ने विकसित किया है, लेकिन भारत इसमें अपने स्वदेशी सेंसर और एंटीना भी जोड़ेगा, ताकि इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर तैनात किया जा सके। भविष्य में यह इंटीग्रेटेड मास्ट भारतीय नौसेना के मौजूदा संचार और सेंसर मास्ट सिस्टम की जगह लेगा। भारत पिछले कई वर्षों से इस तकनीक को हासिल करने में रुचि दिखा रहा था।

दिल्ली को ग्रीन कवर

100 जलाशय, 70 लाख पौधे और ई-बसें, राजधानी के लिए अमित शाह ने पेश किया ग्रीन मास्टर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार दिल्ली के सेंट्रल रिज (केंद्रीय रिज) की जैव विविधता, मिट्टी और पानी की सुरक्षा के लिए कानूनी रास्ता अपनाएगी। यहां एक मेगा वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि रिज क्षेत्र में जामुन, आम, अर्जुन और नीम जैसे पेड़ लगाए जाएंगे, जो 100 वर्षों से अधिक समय तक जीवित रहते हैं। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान के तहत शहर में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार अगले चार वर्षों में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों के एक करोड़ पौधे, बड़ी वृक्ष प्रजातियों के 23 लाख पौधे और 65 लाख झाड़ियां व औषधीय पौधे लगाकर रिज क्षेत्र के 6,300 हेक्टेयर हिस्से को हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में बदलेगी। शाह ने रिज को ग्रीन रिज में बदलने के लिए एक भव्य मास्टर प्लान का भी उल्लेख किया। इस मास्टर प्लान के तहत दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रिज में 100 जलाशय, रेस्तरां और नक्षत्र वन, तीर्थंकर वन व वामन वन जैसे छोटे उद्यान विकसित किए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि रिज की जैव विविधता, मिट्टी और पानी का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए कानूनी सुरक्षा का उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने 300 ई-बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने नरेला में एक उच्च सुरक्षा वाली जेल की डिजिटल रूप से आधारशिला रखी, तीन बस डिपो और नंद नगरी में एक स्वचालित वाहन परीक्षण स्टेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि अगले सप्ताह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके।

कांग्रेस ने राम मंदिर चंदा मामले में पारदर्शिता पर जोर दिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने राम मंदिर से चढ़ावा चोरी के मामले में मंगलवार को लीपापोती के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि मंदिर को दिए गए चंदे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए। गहलोत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी को राम मंदिर के मुद्दे के कारण ही सत्ता में आने का अवसर मिला था, लेकिन अब लोगों के बीच यह भावना बन रही है कि उनकी आस्था के साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कथित गड़बड़ियों की जानकारी काफी पहले से थी, लेकिन मामले को दबाने का प्रयास किया गया। उनका कहना था कि इस पूरे प्रकरण में लीपापोती की कोशिश की गई।

वायनाड भूस्खलन में चार मौतें, प्रियंका गांधी ने की मदद की अपील, सीएम ने आपात बैठक बुलाई

वायनाड, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मंगलवार को वायनाड में हुए भूस्खलन की घटना को लेकर आपातकालीन बैठक की। इस बैठक में राज्य के कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी भी शामिल हुए, जो वायनाड से ही हैं। बैठक में अनाक्कम्पॉयिल-कल्लाडी सुरंग सड़क परियोजना के वायनाड छोर पर हुए भूस्खलन की स्थिति और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही इस भूस्खलन का भयावह वीडियो भी सामने आया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जाएं। उन्होंने राजस्व मंत्री ए.पी. अनिल कुमार और कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी को तुरंत वायनाड पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान की निगरानी करने के लिए कहा। यह घटना मीनाक्षी पुल के पास कलाड़ी में हुई, जो सुरंग निर्माण स्थल के नजदीक है। निर्माण स्थल पर खोदी गई मिट्टी का बड़ा ढेर भूस्खलन के दौरान ढह गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। पिछले 24 घंटों में लगातार हुई भारी बारिश के बाद ढीली मिट्टी धंस गई और नीचे गिर गई, जिससे कार्यस्थल के कुछ हिस्से दब गए। अधिकारियों को संदेह है कि बचाव दल द्वारा खोज जारी रखने के दौरान अभी और अधिक श्रमिक और पर्यटक फंसे हो सकते हैं। यह इलाका पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। भूस्खलन के समय कई निजी वाहन भी वहां आसपास खड़े हुए थे। निर्माण श्रमिकों को परियोजना स्थल तक ले जाने वाली एक बस भी वहां खड़ी थी। आशंका है कि वह भी मलबे में दब गई है। दमकल और बचाव सेवा कर्मियों, पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। बचाव कार्य में मदद के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम को भी घटनास्थल पर भेजा गया है।

बाबा बर्फानी के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब 8,800 से अधिक श्रद्धालु जम्मू से रवाना

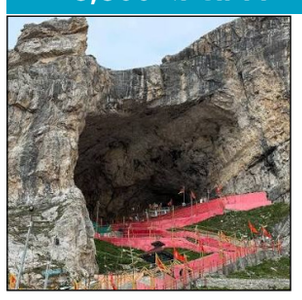

जम्मू, एजेंसी। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के लिए इस वर्ष अब तक का सबसे बड़ा जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। इस जत्थे में 31 विदेशी नागरिकों सहित कुल 8,815 श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा के पहले चार दिन में दक्षिण हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर में 93,000 से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। आज यह संख्या एक लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, छठे जत्थे में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 31 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां और 31 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इनमें से 181 वाहनों में सवार 3,989 श्रद्धालु मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले स्थित बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि 182 वाहनों में सवार 4,826 श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए निकले। मंगलवार को रवाना हुए जत्थे के साथ ही दो जुलाई को अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक जम्मू के आधार शिविर से कुल 34,829 श्रद्धालु कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। श्रद्धालुओं के रवाना होने के दौरान भगवती नगर आधार शिविर बम-बम भोले, श्हर-हर महादेव और जय बर्फानी बाबा की के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने यात्रा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से बदला मौसम

नोएडा-गाजियाबाद में मिली राहतय अगले 5 दिन बारिश का अलर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मॉनसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को राजधानी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत कई इलाकों में हुई झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दिलाई। बारिश के साथ चली तेज हवाओं से मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में बादल छाए रहने, रुक-रुक कर बारिश होने और कई स्थानों पर तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आईएमडी ने दिल्ली और एनसीआर के सभी 15 जिलों के लिए समान मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य, नयी दिल्ली, शाहदरा, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद शामिल हैं। मौसम विभाग का कहना है कि पूरे क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिल सकती है। आईएमडी) ने 7, 8 और 9 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर हवा की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिन और रात दोनों समय बारिश के अलग-अलग दौर आने की संभावना जताई है। लोगों को बिजली चमकने के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने और पेड़ों या कमजोर ढांचों के नीचे खड़े न होने की सलाह दी गई है। हालांकि 10 और 11 जुलाई के लिए चेतावनी का स्तर ग्रीन रहेगा।

शोपियां में दो लश्कर आतंकियों की तलाश चौथे दिन भी जारी, सुरक्षा बलों का सर्च अभियान तेज

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकवादियों की तलाश के लिए चलाया जा रहा अभियान मंगलवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गया है। सुरक्षा बलों ने रात भर के ठहराव के बाद सुबह फिर से तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तलाशी अभियान रातभर रोकने के बाद सुबह होते ही फिर शुरू कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, तीन जुलाई को इन दोनों आतंकियों को सात गांवों वाले मीमांदर इलाके के एक घने बाग में लगे निगरानी कैमरों में पहली बार देखा गया था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कई टुकड़ियों की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कड़ी कर रखी है। सुरक्षा बलों ने सोमवार शाम तक चार गांवों की तलाशी पूरी कर ली थी। अधिकारियों ने बताया कि घेराबंदी में फंसे आतंकियों की पहचान लतीफ और जाकिर के रूप में हुई है। उन्होंने कथित तौर पर सेना के जवानों के करीब पहुंचने पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई। सेना की विशेष आतंकवाद रोधी इकाई श्विक्टर फोर्सश् ने घने बाग के रास्तों से आतंकियों के भागने की सभी संभावित कोशिशों को रोकने के लिए अतिरिक्त जवानों की तैनाती की है। इसके अलावा इलाके में रोशनी की भी व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के महीनों में घने पेड़-पौधों और पत्तियों के कारण आतंकवादियों को प्राकृतिक आड़ मिल जाती है।

चंदा चोरी के संगीन मामले में लीपापोती करने की बजाय ट्रस्ट को तत्काल भंग करना चाहिए: अशोक गहलोत

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी तथा घोटाले के मामले अत्यंत गंभीर हैं और इसमें किसी तरह की लीपापोती करने की बजाय ट्रस्ट को तत्काल भंग करके नये ट्रस्ट का गठन किया जाना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में जमीन अधिग्रहण से लेकर चंदा चोरी तक के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साधु संतों को दरकिनार कर इस मंदिर का उद्घाटन किया और मंदिर निर्माण का पूरा श्रेय लिया लेकिन जब चंदा चोरी से जनता के साथ विश्वासघात हुआ और उनकी आस्था को ठेस पहुंची तो श्री मोदी ने मौन धारण कर लिया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी का मुद्दा देश के गांव-गांव तक पहुंच गया है, सभी लोगों में इसे लेकर आक्रोश है। प्रभु श्री राम के अयोध्या स्थित मंदिर से करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं, जिसे भारतीय जनता पार्टी - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (भाजपा-आरएसएस) ने गहरा आघात पहुंचाया है।

दो संस्कृतियों का अद्भुत संगम: अमेरिका में बिखरे भारतीय कला के रंग

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के विश्व प्रसिद्ध कार्नेगी हॉल का मुख्य %स्टर्न ऑडिटोरियम% भारतीय कला और जीवंत संस्कृति के अनूठे रंग में सराबोर हो उठा। अवसर था %ऑल-इंडियन डांस फेस्टिवल 2026% का, जिसमें 387 युवा कलाकारों ने भारत की समृद्ध शास्त्रीय और लोक नृत्य शैलियों की एक शानदार सामूहिक प्रस्तुति देकर वैश्विक मंच पर इतिहास रच दिया। दो घंटे चले इस भव्य सांस्कृतिक महाकुंभ को देखने के लिए करीब 2,800 दर्शक मौजूद थे। यह ऐतिहासिक आयोजन न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास और फिलाडेल्फिया के प्रमुख गैर-लाभकारी नृत्य संगठन %थ्री अक्षा% की संस्थापक व प्रसिद्ध नृत्यांगना विजी राव के संयुक्त प्रयासों द्वारा आयोजित किया गया। यह महोत्सव अमेरिका की आजादी की 250वीं वर्षगांठ (4 जुलाई) के ठीक एक दिन बाद आयोजित किया गया। इस

टाइमिंग ने कार्यक्रम में भारत-अमेरिका के प्रगाढ़ होते सांस्कृतिक संबंधों का एक अनूठा और गहरा एंगल जोड़ दिया। इस मंच ने यह साबित किया कि कला किस तरह दोनों लोकतांत्रिक देशों के नागरिकों और प्रवासी समाज को आपस में जोड़ती है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले अधिकांश कलाकार अमेरिका (न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और डेलावेयर) में ही जन्मे और पले-बढ़े भारतीय-अमेरिकी मूल के युवा थे। इसके बावजूद, उनके द्वारा प्रस्तुत कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मोहिनीअट्टम जैसे शास्त्रीय रूपों तथा गरबा व भांगड़ा जैसे लोक नृत्यों की शुद्धता और लय ने उपस्थित अमेरिकी व वैश्विक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य राजदूत बिनया श्रीकांत प्रधान ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इन युवा प्रवासी कलाकारों ने अपनी कला से 5,000 साल पुरानी भारतीय सभ्यता की गहराई, विविधता और उसकी निरंतरता को वैश्विक मंच पर जीवंत रखा है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कॉन्सुलेट ने %थ्री अक्षा% और विजी राव के साथ मिलकर भारत के सभी क्षेत्रों की विभिन्न नृत्य शैलियों को वैश्विक मंच पर एक साथ लाने का काम किया। कॉन्सुल जनरल बिनया श्रीकांत ने भारतीय संस्कृति की गहराई, विविधता और जीवंत निरंतरता पर प्रकाश डाला और कलाकारों, नृत्य विद्यालयों तथा कलाकारों के माता-पिता/परिवार के सदस्यों को भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने के लिए धन्यवाद दिया। महावाणिज्य दूतावास ने आगे कहा इस महोत्सव ने न केवल भारतीय नृत्य की विविधता को प्रदर्शित किया, बल्कि अमेरिका के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में भारतीय प्रवासियों के अमूल्य सांस्कृतिक योगदान को भी रेखांकित किया।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपाइयों ने किया पौधारोपण, इंजीनियर अनीस, और मुहम्मद साजिद ने कही ऐसी बात?

➪ मूक-बधिर विद्यालय में पीडीए परिवार ने पर्यावरण अभियान के तहत लगाए फलदार और छायादार पौधे, 2027 में यूपी में सरकार बनाने का संकल्प

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बरेली । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पीडीए परिवार की ओर से आयोजित सात दिवसीय %हरियाली उत्सव% का सोमवार को समापन हो गया।समापन अवसर पर शहर के नॉवल्टी चौराहा स्थित मूक-बधिर विद्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इसके साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

भाजपा ने जनता को किया गुमराह, अब लेगी हिसाब

पौधारोपण कार्यक्रम में सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कैंट विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर अनीस अहमद खां ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हमेशा विकास और पर्यावरण संरक्षण की सोच के साथ आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने हरित विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इसका लाभ प्रदेश की जनता आज भी उठा रही है। उन्होंने कहा कि %हरियाली उत्सव% उसी सोच को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके।

बीजेपी ने युवाओं का भविष्य किया बर्बाद :- मुहम्मद साजिद

सपा प्रवक्ता मुहम्मद साजिद ने कहा कि पीडीए परिवार प्रदेश में हरियाली और खुशहाली का संदेश लेकर लगातार जनसंपर्क और सामाजिक अभियान चला रहा है।उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं,बल्कि समाज के हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उनको नौकरी नहीं मिल रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। सरकार में कोई भी परीक्षा पूरी नहीं हुई। भाजपा ने सिर्फ भाई से भाई को लड़ाने का काम किया है।

2027 में सपा की सरकार तय

कार्यक्रम के दौरान पूर्व महानगर अध्यक्ष कदीर अहमद ने मीडिया से कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनना तय है। सपा का एक एक कार्यकर्ता अखिलेश यादव को सीएम बनाने की कोशिश में जुटा है। कार्यकर्ताओं ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व पार्षद मुशर्रफ अंसारी, पार्षद सादिक अंसारी, पार्षद सय्यद रेहान अली, पार्षद जहीरुद्दीन मुन्ना, पूर्व पार्षद अंजुम शमीम, पूर्व पार्षद इम्तेयाज अब्बू साहब, पूर्व पार्षद नौशाद कैया, अंजुम नदीम, समरान खान, लाल यार खान, राजा, जितेंद्र मुंडे, पूर्व पार्षद यामीन खान, सलीम खान, मुनीर खान सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। समापन समारोह के माध्यम से पीडीए परिवार ने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

केवीके कल्लीपुर को आदर्श कृषि विज्ञान केन्द्र बनाया जाएगा- कुलपति

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), कल्लीपुर का निरीक्षण कर इसे प्रदेश का आदर्श कृषि विज्ञान केन्द्र विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने व्यावसायिक नर्सरी, समेकित कृषि प्रणाली, बकरी एवं मुर्गी पालन जैसी गतिविधियों को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी मॉडल बताया। कुलपति ने 卐एक पेड़ माँ के नाम卐 अभियान के तहत अम्रपाली आम का पौधा लगाया तथा पांच प्रगतिशील किसानों को लंगड़ा आम की पौध वितरित की। किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने श्रीअन्न (मिलेट्स) को बढ़ावा देने, संभावित एल नीनो के मद्देनज़र मौसम आधारित खेती, डीएसआर तकनीक, वर्षा जल संरक्षण और समेकित कृषि प्रणाली अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

हरदीप सिंह गिल बने उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय संयुक्त सफाई कर्मचारी संघ के संरक्षक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय संयुक्त सफाई कर्मचारी संघ (रजि.) को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी मजबूती मिली है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने संघ का संरक्षक बनने के लिए अपनी सहमति प्रदान की है। इसे संघ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोनचंद बाल्मीकि ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष देव देवदास चौहान तथा प्रदेश महामंत्री (प्रभारी, पश्चिम उत्तर प्रदेश) सुखदेव सिंह बाल्मीकि के प्रयासों से हरदीप सिंह गिल ने संघ का संरक्षक बनने की सहमति दी है। इस घोषणा के बाद संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हरदीप सिंह गिल का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष सोनचंद बाल्मीकि ने कहा कि हरदीप सिंह गिल के संरक्षक बनने से सफाई कर्मचारियों एवं सफाई मजदूरों की समस्याओं और मांगों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जा सकेगा तथा उनके समाधान में भी गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे सफाई कर्मचारियों के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए संघ का संघर्ष और अधिक मजबूत होगा।

रंगे हाथ दबोचे गए दो चोर, ग्रामीणों ने घेरा तो साथियों संग भागने की कोशिश नाकाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक थोक किराना व्यापारी के बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी और कीमती आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि वारदात के दौरान ही मकान मालिक और ग्रामीणों की सतर्कता से दो चोर रंगे हाथों दबोच लिए गए। गुस्साए ग्रामीणों ने दोनों की जमकर धुनाई करने के बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर उनके फरार साथियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार बंथरा बाजार निवासी थोक किराना व्यापारी संतोष कुमार गुप्ता सोमवार को अपने परिवार के साथ भतीजे प्रियांशु गुप्ता के हल्दी-मेहंदी समारोह में शामिल होने के लिए काकोरी क्षेत्र स्थित अभिनंदन रिसोर्ट गए थे। रात करीब दो बजे जब पूरा परिवार वापस लौटा तो मकान के ताले टूटे मिले और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दो कमरों से करीब 5 लाख रुपये नकद, 300 ग्राम सोने तथा 2 किलो चांदी के आभूषण गायब मिले। इसी दौरान मकान की तीसरी मंजिल से आहट सुनाई देने पर परिवार और आसपास के लोगों ने घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को मौके से ही दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने अपनी पहचान मोनिस अब्बास और मोहम्मद आसिफ, निवासी ग्वालटोली, कानपुर के रूप में बताई। ग्रामीणों के अनुसार दोनों ने स्वीकार किया कि वारदात में उनके अन्य साथी भी शामिल थे, जो नकदी और आभूषण लेकर कार से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 15 हजार रुपये नकद, करीब 100 ग्राम चांदी के आभूषण, तीन मोबाइल फोन और एक स्कूटी बरामद हुई है। सूचना पर पहुंची बंथरा पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

जनकवि मुकुट बिहारी सरोज सम्मान 2026 से अभिनंदित होंगे गौहर रज़ा- 26 जुलाई को ग्वालियर में होगा समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

ग्वालियर। प्रतिबद्ध रचनाकार, कवि, लेखक, साहित्यकार गौहर रज़ा को जनकवि मुकुट बिहारी सरोज सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा। विज्ञान की तर्कसंगतता से साहित्य को संवारने वाले, कविता को शल्यक्रिया के औजार की तरह काम में लाने वाले, हर मोर्चे पर दृढता से डटे रचनाकार गौहर रज़ा फिलहाल दिल्ली से हैं। जनकवि मुकुट बिहारी सरोज स्मृति न्यास के अध्यक्ष महेश कटारे सुगम, सचिव मान्यता सरोज ने जूरी की सिफारिश पर न्यास द्वारा किये गए चयन की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा एवं काम से इंजीनियर, उर्दू तथा हिन्दुस्तानी के कवि गौहर रज़ा वैज्ञानिक रुझान के संवाहक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित %जंग-ए-आज़ादी% और भगत सिंह पर आधारित %इंकलाब% जैसी फिल्मों के लेखक, ब्रह्माण्ड की बदलती कहानी को बयान करती, अनेक भाषाओं में अनुदित बैस्ट सेलर %मिथकों से विज्ञान तक% और नज्मों तथा ग़ज़लों के संग्रह %खामोशी% तथा %जज्बों की लौ तेज़ करो% सहित अनेक किताबों के लेखक गौहर रज़ा हमारे समय के विलक्षण साहसी और खरे सृजनधर्मी हैं । देश-विदेश में प्रकाशित रज़ा साहब को 2001 में हिंदी अकादमी द्वारा क्रिएटिव लिटरेचर अवार्ड और 1999 में यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा बेस्ट सब्जेक्ट एक्सपर्ट का पुरस्कार मिल चुका है। इसके साथ ही, अनेक सम्मानों से भी उन्हें नवाजा जा चुका है। न्यास के अनुसार, गौहर रज़ा का जनकवि मुकुट बिहारी सरोज सम्मान 2026 से सम्मानित होना उनकी जनधर्मी सृजनात्मकता का आदर और सम्मान है। सम्मान समारोह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सरोज जी के जन्मदिन 26 जुलाई को ग्वालियर में आयोजित होगा। यह सरोज जी का जन्मशताब्दी वर्ष भी है। जनकवि मुकुट बिहारी सरोज स्मृति सम्मान से अभी तक सीताकिशोर खरे (सेंवढ़ा), निर्मला पुतुल (दुमका, झारखण्ड), निदा फ़ाज़ली (मुम्बई), कृष्ण बक्षी (गंज बासौदा), अदम गौंडवी (गोंडा), उदय प्रताप सिंह (दिल्ली-मैनपुरी), नरेश सक्सेना (लखनऊ), राजेश जोशी (भोपाल), डॉ. सविता सिंह (दिल्ली), राम अधीर (भोपाल), प्रकाश दीक्षित (ग्वालियर), कात्यायनी (लखनऊ), महेश कटारे %सुगम% (बीना), शुभा तथा मनमोहन (रोहतक), मालिनी गौतम (गुजरात), विष्णु नागर (दिल्ली), जसिंता केरकट्टा (राँची), देवेन्द्र आर्य (गोरखपुर), सुश्री कविता कर्मकार (गौहाटी), यश मालवीय (इलाहाबाद) तथा आरती (भोपाल) को अभिनंदित किया जा चुका है।

सीएचसी माल में भ्रष्टाचार के आरोपों पर किसान मजदूर यूनियन का धरना, जांच की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

काकोरी । मलिहाबाद के माल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में मंगलवार को भारतीय किसान मजदूर यूनियन (सर्वसमाज) ने धरना-प्रदर्शन किया। संगठन ने आरोप लगाया कि अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली, मरीजों को बाहर की दवाएं लिखना, महिला कर्मचारियों व मरीजों के उत्पीड़न तथा लंबे समय से खराब पड़ी एक्स-रे मशीन के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। यूनियन का कहना है कि इन मामलों की शिकायत अप्रैल 2026 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ से भी की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। संगठन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों के निलंबन, संपत्तियों की जांच, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त प्रसव सेवाएं, जन्म प्रमाण पत्रों पर अवैध वसूली रोकने तथा टीबी समेत गंभीर बीमारियों के लिए मिलने वाली सहायता राशि के वितरण में पारदर्शिता की मांग की।

हज़रत शफ़ीक़-ए-मिल्लत को ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश देशभर से पहुँचे उलमा व मशायिख़

➢ तज़ल्लीयात-ए-शफ़ीक़-ए-मिल्लत पुस्तक का हुआ विमोचन ➢ हज़रत मौलाना सैय्यद मिस्बाहुद्दीन अशरफ़ी बने सज्जादा नशीन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। हज़रत शफ़ीक़-ए-मिल्लत हज़रत सैय्यद वहीदुद्दीन अशरफ़ी के चालीसवे के अवसर पर ख़ानक़ाह अशरफ़िया फ़रीदिया में एक

भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए इस्लामी विद्वानों,सूफ़ी संतों,अनुयायियों व श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या ने कार्यक्रम में सहभागिता कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ क़ारी वारिस अली क़ादरी द्वारा पवित्र क़ुरआन के पाठ से हुआ। इसके बाद नात और मनक़बत प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम का संचालन मौलाना रिज़वान क़ादरी ने किया। जलसे को खिताब करते हुए अजमलुल उलेमा मौलाना सैय्यद अजमल हुसैन कछौछवी,अल्लामा सैय्यद कलीम अशरफ़ जायसी, अल्लामा मौलाना वसी अहमद वसीम सिद्दीक़ी,क़ारी जलालुद्दीन क़ादरी (नाज़िम-ए-आला, जामिया इस्लामिया रौनाही),मौलाना बख़्शुल्लाह (शैखुल हदीस), सैयद उमर अहमद रज़ाक़ी (सज्जादा नशीन,ख़ानक़ाह बान्सा शरीफ़),मौलाना अबुल हसन निज़ामुद्दीन फ़रंगी महली, सैफ़ रज़ा,अल्लामा अम्मार रज़ा सिद्दीक़ी हश्मती मिस्बाही,मौलाना असलम,मौलाना रिज़वान मोई,मौलाना इश्तियाक़ कंतूरी व शायर-ए-इस्लाम मौलाना हसनैन इस्माईली रुदौलवी सहित अनेक विद्वानों ने हज़रत शफ़ीक़-ए-मिल्लत के धार्मिक,शैक्षिक,आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान पर विस्तार से रोशनी डाली। इस अवसर पर 卐तज़ल्लीयात-ए-शफ़ीक़-ए-मिल्लत卐 पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। इसके बाद मौजूद सभी विद्वानों,अतिथियों और श्रद्धालुओं को पुस्तक भेंट स्वरूप प्रदान की गई। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण क्षण उस समय आया जब हज़रत शफ़ीक़-ए-मिल्लत के उत्तराधिकारी हज़रत मौलाना सैय्यद मिस्बाहुद्दीन अशरफ़ी के सिर पर अजमलुल उलेमा मौलाना सैय्यद अजमल हुसैन कछौछवी,अल्लामा वसी अहमद वसीम सिद्दीक़ी,क़ारी जलालुद्दीन क़ादरी व अन्य विद्वानों और सूफ़ी संतों ने सज्जादगी की पगड़ी पहनाकर उन्हें ख़ानक़ाह अशरफ़िया फ़रीदिया का विधिवत सज्जादा नशीन घोषित किया। इस अवसर पर ख़ानदान-ए-अशरफ़िया फ़रीदिया के बुज़ुर्गों ने दुआ करते हुए कहा कि अल्लाह तआला उन्हें अपने पूर्वजों और अपने पूज्य पिता के आदर्शों पर चलने की तौफ़ीक़ प्रदान करे।कार्यक्रम में पूर्व विधायक अब्बास अली ज़ैदी %रुश्दी मियां%,चौधरी शहरयार,मास्टर एहतिराम हुसैन खां शब्बू,पूर्व ब्लॉक प्रमुख निशात अली,डॉ अनवर हुसैन, समाजसेवी दानिश हुसैन,सहित बड़ी संख्या में अनुयायी,श्रद्धालु और दूर-दराज़ से आए लोगों ने जलसे में शिरकत करते हुए ख़िराज ए अक़ीदत पेश किया। जलसे के समापन पर हज़रत मौलाना सैय्यद मिस्बाहुद्दीन अशरफ़ी ने सभी अतिथियों व श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात सभी आगंतुकों के लिए भोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन का वातावरण श्रद्धा, आध्यात्मिकता,भाईचारे और आपसी सौहार्द से ओत-प्रोत रहा।

मा0 मंत्री कृषि शिक्षा एवं कृष अनुसंधान विभाग उ0प्र0 ने जनपद भ्रमण के दौरान नवनिर्मित किसान कल्याण केन्द्र पड़री का किया लोकार्पण

➲ मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 10 लाभार्थियों को उनकी फसल की क्षतिपूर्ति का प्रदान किया चेक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंत्री कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उ.प्र. सूर्य प्रताप शाही द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम नवनिर्मित किसान कल्याण केन्द्र, पड़री, विकास खण्ड-पहाड़ी, तहसील, सदर, जनपद मीरजापुर का लोकार्पण किया गया।तत्पश्चात् बी.एच.यू. बरकछा में सूखा एवं प्रभाव विषय पर आयोजित एक दिवसीय किसान मेला/गोष्ठी में प्रतिभाग किया गया, जिसमें विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक, मझवॉ सुचिस्मिता मौर्य, संयुक्त कृषि निदेशक (नियोजन), उ.प्र., कृषि भवन, लखनऊ, संयुक्त कृषि निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण), लखनऊ, संयुक्त कृषि निदेशक, वाराणसी, मण्डल, वाराणसी, संयुक्त कृषि निदेशक, विंध्याचल मण्डल, मिर्जापुर, उप कृषि निदेशक, मीरजापुर, जिला कृषि अधिकारी, मीरजापुर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। गोष्ठी में डा. राम सिंह, कृषि वैज्ञानिक द्वारा अलनों के प्रभाव को कम करने के बारे में उपस्थित कृषकों को विस्तार से बताया गया। सी.पी. श्रीवास्तव, कृषि वैज्ञानिक द्वारा अलनीनों तथा खेत बचाओ अभियान, प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तृत चर्चा गयी। मंत्री द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश के भीतर पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 56 प्रतिशत की कमी आयी है तथा जनपद मीरजापुर में गत वर्ष 105 मि.मी. वर्षा के सापेक्ष 54-55 वर्षा कम हुई है, जिस हेतु उपस्थित विभागीय अधिकारियों एवं कृषकों को बताया गया कि इस वर्ष कम वर्षा के दृष्टिगत कम पानी एवं कम अवधि वाली फसलों का चयन कर कृषक खेती करें। तथा दलहनी / तिलहनी/मिलट्स फसलों की खेती करने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा

योजना के 10 लाभार्थियों को उनकी फसल की क्षतिपूर्ति का चेक प्रदान किया गया। तत्पश्चात मा. मंत्री द्वारा शक्तिपीठ मां अष्टभुजा, जिला पंचायत सभागार कक्ष में कृषि विभाग के मण्डल के समस्त जनपदीय / मंडलीय अधिकारियों एवं पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, उद्यान तथा विभाग में कार्यरत वरिष्ठ प्राविधिक सहायक, ग्रुप-ए, बी व प्राविधिक सहायक, ग्रुप-सी, बी.टी.एम. एवं ए.टी.एम. के साथ विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं / कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गयी। मा. मंत्री द्वारा प्रमुख रूप से बीज, उर्वरक एवं वृक्षारोपण के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी। उनके द्वारा यह निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष समस्त प्रकार के बीजों का शतप्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा समस्त सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में समस्त प्रकार के उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गो आश्रय स्थल एवं निजी कृषकों के पशुओं का शत प्रतिशत टीकाकरण कराएं। उद्यान विभाग को ससमय नर्सरी तैयार कर वृक्षारोपण हेतु पौधे उपलब्ध कराने के निर्देशित किया गया। मा. मंत्री जी द्वारा विभाग में कार्यरत ए.टी.एम. सौरभ कुमार, विवेकानन्द मौर्य, एवं मनीष कुमार तथा सहायक विकास अधिकारी (कृषि), राजगढ़ एवं सीखड़ से विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी तथा उपस्थित समस्त अधिकरियों / कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि विभाग में संचालित समस्त योजनाओं को कृषकों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिकाधिक कृषकों को लाभान्वित करें।

काशी के नाविक समाज ने कैबिनेट मंत्री नरेन्द्र कश्यप का किया भव्य स्वागत, नौका लाइसेंस का मुद्दा प्रमुखता से उठाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। मां गंगा निषादराज सेवा समिति उत्तर प्रदेश के

तत्वावधान में मंगलवार को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद घाट पर काशी के नाविक समाज की जनसंवाद बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप का अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार निषाद %गुरु% के नेतृत्व में आयोजित बैठक में दशाश्वमेध, राजघाट, अस्सी, शिवाला, जलासेन, गायघाट, रामनगर, सराय मोहाना एवं सूजाबाद सहित विभिन्न घाटों के नाविक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जनसंवाद के दौरान विनोद कुमार निषाद %गुरु% ने मंत्री के समक्ष नाविक समाज की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए कहा कि वर्ष 2024 से नगर निगम द्वारा नौका एवं मोटरबोट लाइसेंस के नवीनीकरण पर रोक लगाए जाने से नाविकों की आजीविका प्रभावित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम बाहरी कंपनियों को वाटर टैक्सी संचालन की अनुमति देकर स्थानीय नाविकों के हितों की अनदेखी कर रहा है। बैठक में यह भी कहा गया कि नाविक समाज परिवहन विभाग के माध्यम से नौका लाइसेंस जारी किए जाने के प्रस्ताव का विरोध करता है और नगर निगम के माध्यम से ही पूर्व की व्यवस्था के अनुसार लाइसेंस नवीनीकरण की मांग करता है। अपने संबोधन में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने नाविक समाज को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर नगर निगम के माध्यम से नौका एवं मोटरबोट लाइसेंस जारी कराने का अनुरोध किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय पर सकारात्मक कार्रवाई कर रही है और जल्द ही नाविक समाज को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में एडवोकेट शिवकुमार निषाद, दुर्गा माँझी, राम किशन माँझी %टूलू%, गोपाल प्रसाद निषाद, मोनू साहनी, लक्ष्मण माँझी, विनय केशरी, कुन्दन साहनी, टेलीविजन साहनी, मदन माँझी, अजीत साहनी, राहुल साहनी, लवकुश साहनी, गंगा साहनी, गोविन्द साहनी सहित बड़ी संख्या में नाविक समाज के लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी के मीरजापुर दौरे की तैयारियां तेज, डीएम-एसपी ने कसी प्रशासनिक मशीनरी

सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, बिजली व चिकित्सा व्यवस्थाओं की संयुक्त समीक्षा; पीडब्ल्यूडी कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक को लेकर सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियों के निर्देश।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित मीरजापुर दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने पुलिस लाइन सभागार में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया और सभी विभागों को समयबद्ध व जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का जनपद भ्रमण अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को वीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था, वीआईपी रूट एवं यातायात प्रबंधन में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि मुख्यमंत्री का दौरा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री अपने भ्रमण के दौरान लोक निर्माण विभाग के पुराने एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके लिए संबंधित विभागों को सभी अभिलेख, प्रगति रिपोर्ट एवं प्रस्तुतीकरण अद्यतन रखने तथा पूर्व निर्धारित समय से पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी विनोद कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर महेंद्र सिंह, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी गुलाब चंद्र, डिप्टी कलेक्टर संजीव कुमार यादव सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कटौली खेल मैदान के पास मिला अज्ञात युवक का शव, इलाके में सनसनी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र के कटौली स्थित खेल मैदान के पास सड़क किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सोमवार देर रात क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पर दुबग्गा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही पुलिस घटना के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मानते हुए जांच जारी है।

बकरी से टक्कर बनी मौत की वजह! युवक की मौत पर फूटा गुस्सा, शव सड़क पर रखकर 5 घंटे जाम

➲ पिटाई में घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। एफआईआर और आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद खुला जाम।

मृतक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र के मवई पड़ियाना गांव में मामूली विवाद ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। बकरी से बाइक की हल्की टक्कर के बाद हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक जितेन्द्र कुमार (32) की मंगलवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मवई चौराहे पर शव रखकर करीब पांच घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।परिजनों का आरोप है कि 27 जून को हुई मारपीट के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों में समझौता करा दिया। उनका कहना है कि आरोपी पक्ष ने कुछ दिन इलाज का खर्च उठाया, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया, जिससे इलाज प्रभावित हुआ और अंततः युवक की मौत हो गई। मौत की सूचना के बाद परिजन बंथरा थाने पहुंचे, लेकिन तत्काल कार्रवाई न होने से नाराज होकर उन्होंने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिवार को 40 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।सूचना पर थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह तथा बाद में एसीपी कृष्णानगर अभिषेक कुमार पांडेय मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चली वार्ता के बाद पुलिस ने मृतक के पिता रामकुमार रावत की तहरीर पर मुख्य आरोपी के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया तथा अन्य नामजद आरोपियों को भी शामिल कर शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। एफआईआर की प्रति दिखाए जाने और कार्रवाई के भरोसे के बाद दोपहर करीब 1:30 बजे प्रदर्शन समाप्त हुआ। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूरे घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी रही और पुलिस हालात पर नजर बनाए हुए है।

गोमती नगर प्रीमियर लीग–2 का रोमांचक समापन

➪ बाराबंकी की गुफरान-11 बनी चैंपियन, जीएन स्टार को फाइनल में हराकर जीता खिताब

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गोमती नगर के विवेक खंड-2 स्थित रामलीला मैदान में पिछले दस दिनों से चल रही गोमती नगर प्रीमियर लीग (जीपीएल) सीजन-2 का मंगलवार को शानदार समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में बाराबंकी की गुफरान-11 और गोमती नगर की जीएन स्टार के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला, जिसमें गुफरान-11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच में जीएन स्टार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 78 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुफरान-11 के बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा 74 गेंदों में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। टूर्नामेंट के आयोजक शुभम त्रिपाठी ने बताया कि विजेता टीम गुफरान-11 को ?51,000, उपविजेता जीएन स्टार को ?25,000 तथा तीसरे स्थान पर रही एस-11 टीम को ?12,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में नामित पार्षद राजीव गांधी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दस दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले का रोमांच देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान में मौजूद रहे।

रक्षा लेखा विभाग के अधिकारियों ने यूपीएसआईएफएस का किया भ्रमण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस), लखनऊ में रक्षा लेखा विभाग के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीआई कैंट) के प्रशिक्षणरत 40 अधिकारियों ने संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने अधिकारियों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक और आधुनिक अपराधों की जांच से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 卐साइबर युग में अपराध के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। पहले अपराध भौतिक दुनिया तक सीमित थे, लेकिन अब डिजिटल दुनिया में साइबर अपराध सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में तकनीक की जानकारी और सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।卐 उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डेटा ही सबसे बड़ी शक्ति बन चुका है। जिन देशों के पास मजबूत तकनीक और विशाल डेटा है, वे वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से प्रशिक्षण अवधि का भरपूर लाभ उठाने और नई तकनीकों को सीखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने संस्थान की कार्यप्रणाली से अधिकारियों को अवगत कराते हुए साइबर फोरेंसिक की बढ़ती आवश्यकता और आधुनिक जांच प्रणाली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. इंद्रजीत ने साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने संस्थान की डीएनए लैब एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लैब का भी अवलोकन किया और वहां उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक जितेंद्र श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर उप निदेशक चिरंजीब मुखर्जी, अतुल यादव, डॉ. आनंद प्रकाश, अमित मिश्र, राहुल द्विवेदी, डॉ. पलक, आरआई शैलेन्द्र सिंह, कार्तिकेय सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

आग और जंजीर के मातम के बीच गूंजेगी शहादत की सदा

➤ मौलाना यासूब अब्बास का खिताब और कड़े सुरक्षा इंतजाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नवाबी नगरी और अपनी अनूठी अज़ादारी के लिए दुनिया भर में मशहूर लखनऊ में ग़म-ए-हुसैन की रवायत को पूरी अकीदत के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी सिलसिले में कदामा-ए-मज़ारिस व अज़ा के बैनर तले आगामी 20 मोहर्रम को एक बेहद पुरअसर और अकीदतमन्द मजलिस व मातम का आयोजन होने जा रहा है। इस मजहबी जलसे को संबोधित करने के लिए देश के जाने-माने शिया आलिम और बेबाक ख़तीब मौलाना यासूब अब्बास साहब तशरीफ ला रहे हैं। उनकी तकरीर और मसायब को सुनने के लिए लखनऊ और आस-पास के इलाकों से बड़ी संख्या में मोमिनीन के जुटने की उम्मीद है। यह पूरा रूहानी और रंजो-ग़म का मंज़र लखनऊ के ऐतिहासिक पुत्तन साहब की कर्बला में सजेगा, जो बरसों से अज़ादारी का एक बड़ा मरकज़ रहा है। इस मजलिस की सबसे बड़ी और मर्मस्पर्शी रवायत इसके बाद होने वाला मातम होगा। मौलाना यासूब अब्बास के खिताब के ठीक बाद, हसन परवेज़ की जानिब से पारंपरिक और रोंगटे खड़े कर देने वाला जंजीर व आग का मातम बरपा किया जाएगा। दहकते हुए अंगारों और जंजीरों के साए में अज़ादार इमाम हुसैन और उनके 72 जांनिसारों की शहादत को याद कर अपना नज़राना-ए-अकीदत पेश करेंगे। इस संजीदा मंज़र को देखने और कर्बला के शहीदों का पुरसा देने के लिए हर साल हज़ारों की भीड़ उमड़ती है, जिसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन का पूरा अमला मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेगा ताकि कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहे और अज़ादारों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इस पूरे कार्यक्रम की कमान बाबुल मुराद कमेटी, लखनऊ के हाथों में है। कमेटी के ज़िम्मेदारों ने रात ठीक नौ बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के सहयोग से सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोजकों ने सभी अज़ादारों से वक्त की पाबंदी, अनुशासन और मजलिस के एहतराम के साथ शामिल होने की गुज़ारिश की है। कार्यक्रम के बेहतर प्रबंधन और मोमिनीन की सहूलियत के लिए बाबुल मुराद कमेटी की जानिब से कुछ मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि दूर-दराज से आने वाले जायरीन को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

समाचार

मानसिक रूप से बीमार महिला को आजाद नगर पुलिस ने चंद घंटों में सकुशल बरामद कर बेटे से मिलाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। थाना कृष्णा नगर अंतर्गत आजाद नगर चौकी इंचार्ज गौरव की सतर्कता से बिहार से आई एक मानसिक रूप से बीमार महिला को सकुशल बरामद कर उसके बेटे से मिलाया गया। बिहार निवासी एक युवक अपनी बीमार मां का इलाज कराने लखनऊ आया था। इलाज के दौरान महिला अचानक लापता हो गई। सामान लेने बाहर गए बेटे के लौटने पर मां नहीं मिली। परेशान होकर युवक ने आजाद नगर चौकी पहुंचकर पूरी घटना बताई और तहरीर दी। तहरीर मिलते ही चौकी इंचार्ज गौरव ने तत्काल छानबीन शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस टीम ने कुछ ही देर में अवध चौराहे के पास से महिला को ढूंढ निकाला। महिला को सकुशल पाकर बेटे ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

दिल्ली का मौसम बिगड़ने पर मस्कट-दिल्ली उड़ान लखनऊ डायवर्ट, डेढ़ घंटे बाद रवाना

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार दोपहर दिल्ली का मौसम अचानक खराब हो जाने के कारण दिल्ली में उतरने वाली एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान को डायवर्ट कर लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। करीब डेढ़ घंटे तक यह विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर खड़ा रहा। बाद में मौसम सही होने पर इसे दिल्ली रवाना कर दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि मंगलवार दोपहर दिल्ली का मौसम अचानक खराब हो गया, जिसकी वजह से दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान संचालन में दिक्कत आ गई। इसके कारण मस्कट से दोपहर बाद 3:10 बजे दिल्ली पहुंचने वाली ओमान एयर की उड़ान (डब्ल्यू वाई 245) को लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर दोपहर 3:35 बजे उतरा। विमान में कुल 160 यात्री सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर यह विमान काफी देर तक खड़ा रहा। बाद में दिल्ली का मौसम सही होने पर इसे शाम 5 बजे लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। विमान डायवर्ट होने से उस पर सवार यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा और वे समय से अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नाका हिण्डोला थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पीड़िता की शिकायत पर पहले ही मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की तहरीर पर थाना नाका हिण्डोला में आरोपी एजाज मिर्जा (37) निवासी अहमदाबाद के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए नाका पुलिस ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को चारबाग बस अड्डे के टिन शेड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

खुली बोली में चार तालाबों का आवंटन, वाजपुर, गंगौरा व भटेसुवा की नीलामी टली

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब तहसील में मंगलवार को नायब तहसीलदार के निर्देशन में ग्राम समाज के तालाबों की खुली नीलामी प्रक्रिया संपन्न कराई गई। नीलामी के दौरान संबंधित ग्रामों के इच्छुक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पूरी प्रक्रिया मछली निरीक्षक की उपस्थिति में पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। ग्राम उनई स्थित गाटा संख्या 32/0.4560 के तालाब की नीलामी में जहीद और लवकुश ने भाग लिया। प्रतिस्पर्धी बोली के बाद तालाब का आवंटन लवकुश के पक्ष में 7,600 रुपये की सर्वोच्च बोली पर किया गया। ग्राम जमखनवा के गाटा संख्या 1429/1.043 हेक्टेयर के तालाब की नीलामी में सुन्दारा, लक्ष्मी और शिवकुमार ने हिस्सा लिया। इस नीलामी में शिवकुमार ने 1 लाख रुपये की सर्वाधिक बोली लगाकर तालाब का आवंटन अपने नाम कराया। इसी ग्राम के गाटा संख्या 488ख/0.531 हेक्टेयर के तालाब की नीलामी में सुन्दारा, प्रमोद और शिवकुमार शामिल हुए। इस तालाब का आवंटन सुन्दारा के पक्ष में 45 हजार रुपये की सर्वोच्च बोली पर किया गया। ग्राम दरियापुर स्थित गाटा संख्या 79/0.8220 के तालाब की नीलामी में बबलू और सोनू उपस्थित रहे, जबकि दीपा अनुपस्थित रहीं। नीलामी में बबलू ने 42 हजार रुपये की सर्वाधिक बोली लगाकर तालाब का आवंटन प्राप्त किया। तहसील प्रशासन के अनुसार वाजपुर, गंगौरा एवं भटेसुवा ग्रामों के तालाबों की नीलामी किसी कारणवश संपन्न नहीं हो सकी। इन तालाबों की पुनः नीलामी 14 जुलाई 2026 को कराई जाएगी। प्रशासन ने बताया कि पूरी नीलामी प्रक्रिया नायब तहसीलदार, बख्शी का तालाब के निर्देशन एवं मछली निरीक्षक की उपस्थिति में पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई, ताकि सभी इच्छुक प्रतिभागियों को समान अवसर मिल सके।

शहीद भरत तिवारी को श्रद्धांजलि, राष्ट्र सेवा और संविधान की राह पर चला प्रेरणा का संदेश

● यूपी प्रेस क्लब में जर्नलिस्ट मीडिया प्रेस एसोसिएशन का श्रद्धांजलि समारोह व कवि 3.0 आयोजित, कवियों ने देशभक्ति और जन सरोकारों से ओतप्रोत रचनाओं से बांधा समां

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जर्नलिस्ट मीडिया प्रेस एसोसिएशन के तत्वावधान में मंगलवार को यूपी प्रेस क्लब, लखनऊ में राष्ट्रप्रेम की मिसाल बने शहीद भरत तिवारी की पावन स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं %कवि 3.0% का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीद भरत तिवारी के राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन करते हुए वक्ताओं ने समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया। प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश तिवारी ने कहा कि समाज सेवा का जज़्बा भरत तिवारी जैसा अडिग होना चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग हथियार नहीं, बल्कि संविधान और कानून है।

उन्होंने जनहित याचिका, सूचना का अधिकार (आरटीआई), शांतिपूर्ण आंदोलन और अनशन जैसे संवैधानिक माध्यमों को लोकतांत्रिक संघर्ष का सशक्त विकल्प बताया। वक्ता ओम मिश्र ने कहा कि आज जब राजनीति जातीय समीकरणों में उलझी हुई है, ऐसे समय में भरत तिवारी का जीवन समाज और राष्ट्र को जाति से ऊपर उठकर देखने की प्रेरणा देता है। काव्य गोष्ठी %कविताई 3.0% में कवियों ने देशभक्ति, लोकतंत्र और जनभावनाओं पर आधारित रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। योगेश शुक्ल ने अपनी कविता क्या आम जन से वोट लेते, फिर उन्हीं को चोट देते प्रस्तुत कर समकालीन राजनीति पर तीखा व्यंग्य किया। वहीं कुलदीप शुक्ला ने राष्ट्रवाद के बल पर ही तुमने सत्ता पाई हैज और अनुराग मिश्र %राग% ने तारीखें-तारीखें, देती अदालत और पैरों में छाले हैंज जैसी रचनाओं से खूब तालियां बटोरीं। वरिष्ठ कवि ज्ञान प्रकाश आकुल की चर्चित समकालीन कविता बिना किसी अपराध श्रवण को मार दिया सम्राट ने भी चर्चा का केंद्र रही। कार्यक्रम में एसोसिएशन के संरक्षक रामानंद शास्त्री, प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर पांडे, प्रदेश महामंत्री अश्वन वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश तिवारी, शीलादित्य पांडे, डॉ. मनोहर गुप्ता तथा मनोज शेखर गुप्ता सहित अनेक पत्रकार, साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा का हर विधायक अपनी सीट पर अडिग, 2027 में फिर रचेंगे जीत का इतिहास- डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समाजवादी पार्टी की चुनावी चुनौती को राजनीतिक हताशा करार देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक विधायक अपनी विधानसभा में जनता के भरोसे, विकास कार्यों और मजबूत संगठन के बल पर पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि 卐225 सीटें बदलने की बात तो दूर, भाजपा के दो विधायक भी अपनी सीट बदलना नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें अपनी जनता के समर्थन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास, कानून-व्यवस्था, आधारभूत ढांचे और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता का विश्वास जीता है। यही विश्वास आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को पहले से अधिक मजबूत जनादेश दिलाएगा। डॉ. सिंह ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ज़मीनी राजनीति से कटकर केवल सोशल मीडिया और बयानबाज़ी तक सीमित हो गई है, जबकि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर लगातार जनता के बीच काम कर रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उसे अपने जनाधार पर भरोसा है तो राजधानी की प्रतिष्ठित विधानसभा सीटों से चुनाव लड़कर जनता का सामना करे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है, राजनीतिक बयान नहीं। डॉ. सिंह ने विश्वास जताया कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा उत्तर प्रदेश में पिछली बार से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी और जनता के आशीर्वाद से एक नया चुनावी इतिहास रचेगी।

बिजली बिल पर बवाल- बढ़े लोड और बढ़े बिल से उपभोक्ता परेशान

अतिरिक्त यूनिट नहीं जोड़ी गई, प्रीपेड से पोस्टपेड बदलाव और तीन माह की अधिक खपत के कारण बढ़ा बिल – मुकेश त्यागी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी में बिजली बिल और बिजली कनेक्शन के लोड बढ़ने को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में लोगों का आरोप है कि बिना पूर्व सूचना उनके बिजली कनेक्शन का 1 किलोवाट लोड बढ़ा दिया गया, जिससे बिजली बिल में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। वहीं स्थानीय शिकायत निस्तारण कार्यालय बंद होने से उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हुसैनगंज कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इन आरोपों पर अधीक्षण अभियंता मुकेश त्यागी ने विभाग का पक्ष रखते हुए कहा कि बिजली विभाग किसी भी उपभोक्ता के बिल में अतिरिक्त यूनिट नहीं जोड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन प्रीपेड से पोस्टपेड प्रणाली में बदले गए हैं, उनके बिल में पूर्व की बकाया राशि और सुरक्षा धनराशि (सिक्योरिटी मनी) समायोजित होने के कारण बिल अधिक दिखाई दे रहा है। यह केवल एक बार की प्रक्रिया है और अगले बिल से स्थिति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग को अब तक 4,000 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें अधिकांश का निस्तारण किया जा चुका है। शेष मामलों का भी प्राथमिकता के आधार पर तेजी से समाधान किया जा रहा है। स्थानीय कार्यालय बंद होने के सवाल पर मुकेश त्यागी ने कहा कि पहले उपभोक्ताओं को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जबकि अब हुसैनगंज कार्यालय में सभी वरिष्ठ अधिकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहते हैं, जिससे शिकायतों का निस्तारण अधिक प्रभावी और तेज़ी से हो रहा है। लोड बढ़ाने के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी उपभोक्ता की बिजली खपत लगातार तीन माह तक स्वीकृत लोड से अधिक रहती है, तो विभागीय नियमों के तहत कनेक्शन का लोड स्वतः संशोधित किया जाता है। यह कोई नई व्यवस्था नहीं, बल्कि पहले से लागू नियम है। अधीक्षण अभियंता ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह या भ्रम में न आएं। विभाग वास्तविक बिजली खपत के आधार पर ही बिल जारी कर रहा है। यदि किसी उपभोक्ता को बिल या लोड से संबंधित कोई शिकायत है, तो उसका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

लखनऊ में लगेगी महाराजा रणजीत सिंह जी (शेर-ए-पंजाब) की प्रतिमा, सिख समाज ने महापौर का जताया आभार

नगर निगम कार्यकारिणी की स्वीकृति का स्वागत, प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की कार्यकारिणी द्वारा महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा स्थापना को स्वीकृति दिए जाने के बाद सिख समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए पहले सदर गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर गुरु साहिब का शुक्राना अदा किया और बाद में महापौर सुषमा खरकवाल से शिष्टाचार भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह, जिन्हें %शेर-ए-पंजाब% के नाम से जाना जाता है, भारतीय इतिहास के ऐसे महान शासक थे जिन्होंने न्याय, धार्मिक सौहार्द, सुशासन और सर्वधर्म सम्मान की मिसाल कायम की। उनकी प्रतिमा की स्थापना न केवल सिख समाज के लिए बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय होगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष सरदार दिलप्रीत सिंह (डी.पी.) ने कहा कि यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को महाराजा रणजीत सिंह के राष्ट्रप्रेम, वीरता, सामाजिक समरसता और उत्कृष्ट नेतृत्व से प्रेरणा देगा। उन्होंने नगर निगम और महापौर के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सरदार रणवीर सिंह कलसी, सरदार कुलवंत सिंह, सरदार मनमोहन सिंह, सरदार कुलवीर सिंह सोढ़ी, सरदार निरवैर सिंह, सरदार सुरिंदर पाल सिंह घई, सरदार हरजीत सिंह सोखी, सरदार सुरजीत सिंह राजा, सरदार भूपिंदर सिंह (मोनू) तथा सरदार मलकीत सिंह सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रतिमा बनेगी प्रेरणा का प्रतीक

महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा स्थापना का निर्णय वीरता, राष्ट्रभक्ति, सुशासन और सामाजिक समरसता के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।

संपादकीय

स्पेन दुनिया को रोजगार दे रहा, भारत अपने लोगों को क्यों नहीं?

दुनिया भर में प्रवासन आज सबसे अधिक चर्चित विषयों में से एक है। एक समय था जब विकसित देश प्रवासियों का खुले दिल से स्वागत करते थे लेकिन अब स्थिति बदल रही है। यूरोप, अमरीका और अन्य विकसित देशों में प्रवासियों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। इसके बावजूद यूरोप का एक देश स्पेन इस प्रवृत्ति के विपरीत दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने प्रवासियों को आथ्थक विकास का साधन माना है और बड़ी संख्या में विदेशी कामगारों को देश में आने की अनुमति दी है। यही कारण है कि आज स्पेन यूरोप की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दूसरी ओर भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद अपने सभी नागरिकों को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने की चुनौती से जूझ रहा है। स्पेन में जन्मदर बेहद कम है और प्रति महिला औसतन केवल 1.2 बच्चे पैदा हो रहे हैं, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए आवश्यक 2.1 की दर से बहुत कम है। इसके साथ ही हर वर्ष लगभग 1 लाख लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जिससे श्रम बाजार में बड़ी संख्या में रिक्तियां पैदा होती हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए स्पेन ने प्रवासियों को अवसर देना शुरू किया। वर्ष 2022 में लगभग 6.65 लाख विदेशी स्पेन पहुंचे। आज स्थिति यह है कि 2000 में जहां हर 20वां व्यक्ति विदेशी मूल का था, वहीं अब लगभग हर 5वां व्यक्ति विदेशी मूल का है। स्पेन की सरकार ने हाल के वर्षों में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने के लिए 'एमनैस्टी' अथवा नियमितीकरण योजना भी शुरू की है। इसका उद्देश्य श्रम बाजार की जरूरतों को पूरा करना और आर्थिक गतिविधियों को गति देना है। परिणामस्वरूप यूरोप में 2020 के बाद पैदा हुए हर 4 नए रोजगारों में से लगभग 1 स्पेन में पैदा हुआ। स्पेन में हाल के वर्षों में सृजित नौकरियों में लगभग 70 प्रतिशत नौकरियां प्रवासियों को मिली हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 1.8 करोड़ है, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। यह आंकड़ा भारत की मानव संसाधन क्षमता को दर्शाता है लेकिन साथ ही यह भी संकेत देता है कि बड़ी संख्या में भारतीय बेहतर अवसरों की तलाश में विदेश जा रहे हैं।भारत और स्पेन की तुलना करने पर सबसे बड़ा अंतर जनसंख्या संरचना का दिखाई देता है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक है और इसकी लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील आयु वर्ग में आती है। इसे 'जनसांख्यिकीय लाभांश' कहा जाता है। इसके विपरीत स्पेन वृद्ध होती आबादी की समस्या से जूझ रहा है। जहां स्पेन को कामगारों की कमी है, वहीं भारत के सामने पर्याप्त रोजगार सृजित करने की चुनौती है। भारत में रोजगार की समस्या के कई कारण हैं। पहला कारण कौशल और उद्योग की आवश्यकता के बीच अंतर है। बड़ी संख्या में युवा डिग्री प्राप्त कर रहे हैं लेकिन उद्योगों को जिन तकनीकी और व्यावहारिक कौशलों की आवश्यकता है, वे अक्सर उपलब्ध नहीं होते। दूसरा कारण विनिर्माण क्षेत्र का अपेक्षाकृत धीमा विस्तार है। चीन ने करोड़ों लोगों को रोजगार देने के लिए विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाया, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक सेवा क्षेत्र आधारित रही है। तीसरा कारण कृषि पर अत्यधिक निर्भरता है। आज भी बड़ी संख्या में लोग कृषि में लगे हुए हैं, जबकि कृषि की आय सीमित है। चौथा कारण छोटे और मध्यम उद्योगों को पर्याप्त वित्त, तकनीक और बाजार न मिल पाना है। स्पेन की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उसने श्रम की कमी को अवसर में बदल दिया। भारत के पास इसके विपरीत श्रम की प्रचुरता है, जिसे आर्थिक शक्ति में बदलने की आवश्यकता है। भारत यदि अगले 2 दशकों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करना चाहता है तो उसे विनिर्माण, हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और कृषि आधारित उद्योगों पर विशेष ध्यान देना होगा। भारत में रोजगार सृजन के लिए सबसे पहले श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। वस्त्र, चमड़ा, खिलौने, खाद्य प्रसंस्करण, इलैक्ट्रॉनिक्स असैंबली और फर्नीचर जैसे क्षेत्रों में लाखों रोजगार पैदा किए जा सकते हैं।

भारत का आर्थिक यथार्थ

किसी ने कहा कि भारत में जल्द ही 'आर्थिक सुनामी' आने वाली है। कोई हमारी अर्थव्यवस्था के स्व-निर्मित आंकड़े गिनाता है और 'मृत अर्थव्यवस्था' करार देने की कोशिश करता है। किसी अर्थशास्त्री का शोधात्मक अध्ययन है कि देश में 12 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं, जो न तो पढ़ रहे हैं और न ही उनके पास कोई काम है। मुद्रास्फीति और राजकोषीय घाटे को लेकर अलग-अलग आंकड़े और दावे हैं। बेशक आकलन भिन्न हैं, लेकिन सारांश यही है कि भारत आज विश्व की सबसे तेज और उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत आज विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'टैरिफवाद', विश्व व्यापार की बदलती और बिगड़ती व्यवस्था और अब भी जारी ईरान युद्ध के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर 7.7 फीसदी रही है। मुद्रास्फीति करीब 2 फीसदी है, जो पांच दशकों में सबसे कम है। चौतरफा संकटों के बावजूद चालू खाता घाटा जीडीपी का मात्र 0.6 फीसदी रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार जून में करीब 688 अरब डॉलर रहा, जो सशक्त अर्थव्यवस्था और निवेश का सूचक है। यह भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक था, लेकिन ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई, कच्चे तेल के दाम बढ़े, लिहाजा हमारा आयात-बिल भी बढ़ गया, नतीजतन डॉलर के भंडार में कुछ कमी आई। विपरीत स्थितियों के बावजूद भारत का निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं मिला कर) करीब 4 फीसदी बढ़ा है। यह अप्रैल-मई में करीब 15 फीसदी था। विदेशों में बसे और काम कर रहे प्रवासी भारतीय जो धन अपने माता-पिता, घरों को भेजते हैं, वह राशि करीब 140 अरब डॉलर है, जो सर्वकालिक अधिकतम है। यह भारतीय जीडीपी के 3.5-4 फीसदी के बराबर है। क्या ऐसी अर्थव्यवस्था को 'संकटग्रस्त' करार दे सकते हैं अथवा 'सुनामी' के आंशिक संकेत भी मिल सकते हैं? हमारा राजकोषीय घाटा भी कम हुआ है। केंद्र सरकार का ऐसा घाटा जीडीपी के 4.4 फीसदी के समान है। बजट में भी यही लक्ष्य तय किया गया था। हालांकि राज्य सरकारों के साथ संयुक्त राजकोषीय घाटा 7.7 फीसदी के करीब है। यह घाटा भी बहुत ज्यादा है। यह 4 फीसदी से कम होना चाहिए। दरअसल यही भारतीय अर्थव्यवस्था का सारांश यथार्थ है, जो 'गुलाबी' लगता है। कई संदर्भों में 'हरा' भी प्रतीत होता है, जो गतिशीलता का प्रतीक है। बहरहाल अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ सवाल किए जा सकते हैं। मसलन-औसत घरेलू मांग कम क्यों है? क्या देश के आम नागरिक की क्रय-शक्ति घटी या सीमित है? मांग का सीधा असर बाज़ार, उत्पादन, रोजग़ार पर पड़ता है। भारत में बेरोजग़ारी दर के बजाय रोजग़ार की दर एक अहम चिंतित सरोकार है। सरकारी एजेंसियां और संस्थाएं रोजग़ार की दर का खुलासा नहीं करतीं। बेरोजग़ारी दर आनुपातिक तौर पर कम हो जाती है। सरकारें उसी पर अपने गाल बजाने लगती हैं। सरकारी रपटों में ऐसे आकलन के दो मानदंड हैं। मार्च, 2026 में 15-59 साल आयु-वर्ग के 100 में से करीब 39 फीसदी लोगों के पास रोजगार था। करीब 10 साल पहले यही औसत करीब 43 फीसदी था। जाहिर है कि भारत में रोजगार घटे हैं। मान लीजिए कि देश में 15 साल से ऊपर की उम्र वाले 60 फीसदी लोग हैं। सरकारी भाषा में उन्हें 'कार्य-बल' माना जाता है। यदि उनमें से औसतन 10 फीसदी पढ़ रहे हैं अथवा काम की तलाश में थक चुके हैं, तो श्रम-बल 50 फीसदी मान लिया जाता है। यदि श्रम-बल में 10 फीसदी बेरोजगार हैं, तो सरकार मानेगी कि 5 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो काम की तलाश में हैं, लेकिन काम मिल नहीं पा रहा है। उस स्थिति में श्रम-बल 50 से घट कर 45 फीसदी हो जाएगा। बेरोजगारी दर 'शून्य' मान ली जाएगी।

> चीन का नया जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून विविधता के प्रबंधन से हटकर जबरन एकरूपता थोपने की ओर एक निर्णायक बदलाव का संकेत देता है। उइगर, तिब्बती और अन्य अल्पसंख्यकों के आत्मसातीकरण को कानूनी रूप से संस्थागत बनाकर, बीजिंग का उद्देश्य उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक पहचान को मिटाकर कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफ़ादार एक एकल, राज्य-निर्धारित चेतना को स्थापित करना है

अनुभव बनाम प्रतियोगिता- क्या कार्यरत शिक्षकों के लिए समान मापदंड उचित हैं?

लेखक - रीना त्रिपाठीअध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ ,सर्वजन हिताय संरक्षण समिति।

हाल ही में उत्तर प्रदेश में न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में जुलाई 2026 में अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का आयोजन किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में अपने स्पष्ट आदेश में कहा है कि 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त हुए इन-सर्विस (कार्यरत) शिक्षकों को भी शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। न्यायालय ने परीक्षा पास करने की समय-सीमा को बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 तक कर दिया आदेश अनिवार्यता का था अतः इस परीक्षा में उन शिक्षकों को भी सम्मिलित होना पड़ा जिनकी नियुक्ति वर्ष 2010 से पूर्व हुई थी। सर्वविदित है उस समय नियुक्ति प्रक्रिया वर्तमान व्यवस्था से भिन्न थी और टीईटी जैसी पात्रता परीक्षा अनिवार्य नहीं थी। लाखों कार्यरत शिक्षकों ने वर्षों के शिक्षण अनुभव के बाद पुनः परीक्षा कक्ष में बैठकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 के बाद बेसिक शिक्षा परिषद में नियुक्त होने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी तथा अन्य निर्धारित चयन प्रक्रियाओं को उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। वहीं, उससे पूर्व नियुक्त शिक्षकों का चयन तत्कालीन नियमों, निर्धारित शैक्षिक योग्यता और मेरिट के आधार पर हुआ था। इसलिए दोनों व्यवस्थाओं की परिस्थितियाँ अलग-अलग रही हैं। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आधारशिला है और शिक्षक उसके सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वर्षों से विद्यालयों में अध्यापन कर रहे शिक्षक केवल पाठ्यक्रम ही नहीं पढ़ाते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और सामाजिक चेतना का भी निर्माण करते हैं। ऐसे में 15-20 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों से अचानक वर्तमान प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली के अनुरूप पुनः अपनी योग्यता सिद्ध करने की अपेक्षा कई प्रश्न खड़े करती है। पिछले कुछ वर्षों में बेसिक शिक्षा के शिक्षकों को अध्यापन के अतिरिक्त , निर्वाचन सूची में विशेष गहन पुनरावलोकन का काम, नवीन जनगणना, निर्वाचन, बीएलओ विभिन्न भर्ती परीक्षाओं, सामाजिक दायित्वों तथा अन्य सरकारी कार्यों में लगातार लगाया जाता रहा है। इन अतिरिक्त जिम्मेदारियों के बीच नियमित अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय निकाल पाना स्वाभाविक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। इसके अतिरिक्त अनेक शिक्षकों के परीक्षा केंद्र उनके गृह जनपद से दूर निर्धारित किए गए, जिससे भीषण गर्मी और लंबी यात्रा जैसी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा। इन परिस्थितियों के बावजूद लाखों शिक्षकों ने परीक्षा में भाग लेकर अपने कर्तव्यनिष्ठ होने का परिचय दिया। यह अपने आप में सराहनीय है। निश्चित रूप से बड़ी संख्या में शिक्षक सफल भी होंगे, किंतु यह भी विचारणीय है कि एक ओर वे अभ्यर्थी हैं जिन्होंने हाल ही में बी.एड. या डी.एल.एड. (बीटीसी) की पढ़ाई पूरी की है, जबकि दूसरी ओर वे शिक्षक हैं जो दो दशकों से विद्यालयों में अध्यापन कर रहे हैं। दोनों की तैयारी, स्मरण क्षमता और प्रतियोगी परीक्षा की परिस्थितियाँ स्वाभाविक रूप से भिन्न हैं। ऐसी स्थिति में सरकार और नीति-निर्माताओं को इस विषय पर संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। यदि पात्रता सुनिश्चित करना उद्देश्य है, तो कार्यरत शिक्षकों के लंबे अनुभव, सेवा अभिलेख और शैक्षणिक योगदान को भी मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर कार्यरत शिक्षकों के लिए अलग कट-ऑफ या पृथक मूल्यांकन व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है, जिससे गुणवत्ता और न्याय,दोनों का संतुलन बना रहे। एक शिक्षक का वास्तविक मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा से नहीं, बल्कि उसके वर्षों के शिक्षण अनुभव, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर और समाज के प्रति उसके योगदान से भी होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना नहीं, बल्कि बेहतर नागरिक तैयार करना है। इसलिए आवश्यक है कि गुणवत्ता सुधार के प्रयासों के साथ-साथ वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव और सम्मान का भी समुचित ध्यान रखा जाए। इन विजन परिस्थितियों को ध्यान में रखतेहुए , शिक्षकों के टेट परीक्षा पास के कट ऑफ मार्क को वर्तमान प्रतियोगियों से अलग निर्धारित किया जाए। मैं किसी को कुछ सिखा नहीं सकता; मैं केवल उन्हें सोचने के लिए प्रेरित कर सकता हूँ-सुकरात

वीबी-ग्राम-जी के प्रस्तावित नियमों में बेनकाब होता मज़दूर-विरोधी चरित्र

(आलेख - डॉ. विक्रम सिंह)

पूरे देश में ग्रामीण और खेत मज़दूरों तथा उनके संगठनों के भारी विरोध के बावजूद भाजपा-नीत केंद्र सरकार वीबी-ग्राम-जी को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके तहत ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वीबी-ग्राम-जी को लागू करने के लिए नियमों का मसौदा जारी किया है। इस मसौदे में वीबी-ग्राम-जी योजना के तहत मज़दूरी के भुगतान, बेरोज़गारी भत्ते, राज्यों को फंड आवंटन और योजना के क्रियान्वयन की निगरानी से जुड़े प्रावधान शामिल हैं। नियमों का यह ड्राफ्ट 23 मई को जारी किया गया था और जनता से सुझाव व संशोधनों के लिए एक महीने का समय दिया गया था। इसके साथ ही यह अधिसूचना भी जारी की गई है कि 1 जुलाई से मनरेगा समाप्त हो जाएगा और इसके तहत होने वाले सभी कार्य वीबी-ग्राम-जी के अंतर्गत किए जाएंगे। अर्थात, मनरेगा और वीबी-ग्राम-जी के बीच जो संक्रमण काल था, वह अब खत्म हुआ, समझें। वीबी-ग्राम-जी को लागू करने के नियमों पर एक सरसरी नज़र डालें तो इस कानून को लेकर हमारी सारी शंकाएँ सही साबित होती है। दरअसल ये नियम वीबी-ग्राम-जी की असलियत को और साफ़ करते हैं; यह मनरेगा की तरह काम का अधिकार नहीं देता, बल्कि एक ऐसी रोज़गार योजना है जिसमें सारी शक्तियाँ केंद्र के पास हैं और ग्रामीण भारत में मज़दूरों की काम की माँग के अनुसार फंड देने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। इन नियमों से ज्यादा स्पष्ट हो गया है कि वीबी-ग्राम-जी मांग पर आधारित कानून नहीं है (मनरेगा की यही सबसे बड़ी खासियत थी जो इसे काम का अधिकार बनाती थी) और जनता को गुमराह करने के लिए इसमें किया गया 125 दिन का दावा बिलकुल ही झूठा है।

वित्त आयोग का फार्मूला और रोजगार गारंटी का टकराव

पहले हम वीबी-ग्राम-जी में फण्ड के आवंटन को लेते हैं। नियम 396 (ई) में कहा गया है कि केंद्र सरकार वस्तुनिष्ठ मापदंडों के आधार पर, प्रत्येक राज्य के लिए फण्ड का मानक आवंटन निर्धारित करेगी। हालांकि यह कानून पहले ही %मांग-आधारित% व्यवस्था से बदलकर %फंड आवंटन-आधारित% व्यवस्था में बदल चुका है, जिसमें केंद्र सरकार केवल 60 प्रतिशत राशि का भुगतान करती है लेकिन यह नियम तो और ज्यादा समस्याग्रस्त है। नियम के अनुसार, 卐प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रामाणिक आवंटन निर्धारित करने के प्रयोजनार्थ, केंद्रीय सरकार सोलहवें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित तथा भारत सरकार द्वारा स्वीकृत, राज्यों के बीच क्षैतिज हस्तांतरण हेतु प्रयुक्त वस्तुनिष्ठ मापदंडों को अंगीकार करेगी卐।

इसका मतलब है कि केंद्र सरकार 16वें वित्त आयोग के जरिये राज्यों में फण्ड का बंटवारा करेगी। गौरतलब है कि 16वें वित्त आयोग का हॉरिजॉन्टल डिवोल्यूशन (राज्यों के बीच फंड का बंटवारा) का फ़ॉर्मूला एक खास मकसद के लिए बनाया गया है। यह रोजगार गारंटी जैसे कार्यक्रम के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। रोजगार गारंटी कार्यक्रम का लक्ष्य प्रदेश के सभी ग्रामीण बेरोजगार परिवारों के लिए रोजगार उपलब्ध करवाना है।

वित्त आयोग में राज्यों के लिए फण्ड के बंटवारे का आधार अलग रहता है जैसे किसी राज्य की पर कैपिटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी), सबसे अमीर राज्यों से कितनी कम है, जिन्हें 42.5 परसेंट से ज्यादा वेटेज दिया जाता है। इसके बाद सबसे ज्यादा वेटेज आबादी (17.5ब) को दिया जाता है। इस सब मापदंडों का कानून के तहत काम मांगने वाले ग्रामीण मज़दूरों से कोई सम्बन्ध नहीं है। हम शुरू से ही कह रहे हैं कि इस तरह के बंटन का आधार केवक मज़दूरन द्वारा काम की मांग होनी चाहिए। यह संभव है कि छोटे राज्य, जहाँ सरकारें बेहतर ढंग से योजना लागू कर रही हों और मज़दूरों को अधिक काम दे रही हों, उन्हें अधिक आवंटन मिलना चाहिए।

उदाहरण के लिए, दक्षिणी राज्यों की आबादी कम है, लेकिन वे सबसे ज़्यादा औसत काम के दिन सृजित कर रहे हैं। जैसे केरल में मनरेगा में वार्षिक औसत काम के दिन (लगभग 66) राष्ट्रीय औसत से बहुत ज़्यादा है। आबादी को अधिक वेटेज देने से केरल जैसे राज्यों के हिस्से में अपेक्षाकृत कम फंड आ सकता है।

हालांकि, मसौदा नियमों में यह कहा गया है कि अधिनियम के लागू होने के दूसरे वर्ष से मानक आवंटन का एक हिस्सा 卐प्रदर्शन मानदंडों卐 पर आधारित होगा। इसके मायने है कि बेहतर परफ़ॉर्मेंस के लिए आवंटन का एक हिस्सा 卐इनाम卐 के तौर पर दिया जाएगा। इसमें 卐मजदूरी का समय पर भुगतान卐, 卐सामाजिक लेखापरीक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन卐, 卐कार्यों के पूर्ण होने का प्रतिशत卐 और 卐कोई अन्य प्रदर्शन-संबंधी संकेतक卐 शामिल हैं जिन्हें केंद्र अधिसूचित करेगा। इन सब मानकों का मज़दूरों जो कानून के केंद्र में होने चाहिए, से कोई लेना देना नहीं है। यह केवल राज्य सरकारों की उस कार्यक्षमता या अक्षमता को दर्शाता है, जिसे केंद्र सरकार अपने मानकों के आधार पर तय करती है, न कि काम की मांग का।

राज्यों के बीच फंड के बंटवारे के लिए बताई गई प्रक्रिया पूरी तरह से केंद्र की मज़ी पर निर्भर है, और इसमें राज्यों की कोई भूमिका या प्रतिनिधित्व नहीं है। इससे राज्य केंद्र पर निर्भर हो जाएंगे, और इस प्रक्रिया का इस्तेमाल उन राज्यों के खिलाफ़ हथियार के तौर पर किया जा सकता है जो केंद्र के आदेशों का सख्ती से पालन नहीं करते या जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं।

125 दिनों के रोजगार का दावा

आंकड़ों में उजागर होती हकीकत- सरकार के अपने डेटा और प्रस्तावित फंड आवंटन के विश्लेषण से भी पता चलता है कि वीबी-ग्राम-जी में हर परिवार को 125 दिनों के रोजगार गारंटी देने का दावा पूरी तरह से खोखला है। यह वादा न तो आर्थिक रूप से संभव है और न ही प्रशासनिक रूप से लागू किया जा सकता है। प्रस्तावित अंतरिम आवंटन के विश्लेषण से पता चलता है कि हर सक्रिय जॉब कार्ड के लिए, प्रस्तावित आवंटन के तहत जितने काम के दिन सृजित किए जा सकते हैं, वे वादे के मुताबिक 125 दिनों से बहुत कम हैं। किसी भी बड़े राज्य में प्रस्तावित आवंटन, वादे के मुताबिक मिलने वाले हक का आधा भी पूरा नहीं करता है। कई राज्यों में, आवंटन से 125 दिनों की गारंटी का बमुश्किल पांचवां हिस्सा ही पूरा हो पाएगा। उदाहरण के लिए हरयाणा के लिए केंद्र सरकार से 590 करोड़ रूपये आबंटन मिला है इसमें राज्य के हिस्से के 40ब (393 करोड़ रूपये) जोड़ने पर यह कुल 984 करोड़ रूपये हो जाएगा। राज्य में 4.85 लाख सक्रिय जॉब कार्ड है, जिनको केवल प्रति कार्यदिवस 882.94 रुपये के हिसाब से केवल 23 दिन का रोजगार मिल सकता है।

हालाँकि वर्ष 2025 और 2026 के पहले पाँच महीनों में उत्पन्न काम के दिनों की तुलना यह दिखाती है कि अधिकांश राज्यों में रोजगार सृजन में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह गिरावट विशेष रूप से बड़े ग्रामीण राज्यों में अधिक गंभीर है। जनवरी से मई 2026 के दौरान उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में 2025 की तुलना में उत्पन्न व्यक्ति-दिवसों में भारी कमी दर्ज की गई। कुल मिलाकर जनवरी से जून महीने के बीच काम के दिनों में औसतन 29.62ब से लेकर 46.71ब तक की कमी आई है।

राष्ट्रीय संचालन समिति - शक्तियों का केंद्रीकरण और राज्यों की उपेक्षा

प्रस्तावित नियमों में एक राष्ट्र स्तरीय संचालन समिति, 2026 के गठन का प्रावधान है, जो पूरी पूरी तरह से केंद्रीयकृत और एक नौकरशाही निकाय है, जिसमें राज्यों का प्रतिनिधित्व न्यूनतम होता है। यह कमिटी स्टैंडर्ड, गाइडलाइन, कन्वर्जेंस, फ्रेमवर्क, मॉनिटरिंग सिस्टम और इम्प्लीमेंटेशन के लिए डिजिटल और जियोस्पेशियल इंफ्रास्ट्रक्चर तय करने जैसे कामों के अलावा, 卐राज्यों को नॉर्मेटिव एलोकेशन (मानक आवंटन) से जुड़े फ़ैसलों के लिए सिफ़ारिश卐 भी करेगी। शक्तियों का इस तरह का केंद्रीकरण एक अत्यधिक केंद्रीकृत ढांचा बनाता है और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को कमजोर करता है।

16 सदस्यों वाली इस कमिटी के प्रमुख केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग के सचिव होंगे और इसमें केंद्र द्वारा नॉमिनेट किए गए राज्य सरकारों के केवल पाँच प्रतिनिधि शामिल होंगे। देखने की बात तो यह है कि राज्य वीबी-ग्राम-जी में लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा दे रहे हैं, फिर भी उनके साथ बहुत अन्यायपूर्ण व्यवहार करते हुए उनको प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है।

इसमें मज़दूरों या उनके संगठनों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं हैं। गौरतलब है कि अभी तक मनरेगा में कुल मज़दूरों का 8 प्रतिशत स्ञ और 17 प्रतिशत स्ष्ट हैं, और 50 प्रतिशत से ज़्यादा महिलाएँ हैं, लेकिन इनसे जुड़े किसी भी मंत्रालय का प्रतिनिधित्व इस कमिटी में नहीं है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय और महिला मंत्रालय को इसमें शामिल नहीं किया गया है, जबकि इसमें पंचायती राज मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा का कायाकल्प विभाग, पेयजल और स्वच्छता विभाग, कृषि और किसान कल्याण विभाग, भूमि संसाधन विभाग, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिकार-आधारित रोज़गार कार्यक्रम को लागू करने और उसकी निगरानी का काम सिर्फ़ नौकरशाही पर नहीं छोड़ा जा सकता ; इसके लिए उन लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना ज़रूरी है, जिनके जीवन और आजीविका पर इसके फ़ैसलों का सीधा असर पड़ता है। इसके अतिरिक्त केंद्रीय परिषद के गठन का भी प्रावधान है जिसमें 卐गैर-सरकारी卐 सदस्य और स्ञ, स्ष्ट तथा महिलाओं आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं। दिक्कत यह है कि इस परिषद के पास कोई अधिकार नहीं है। यह केवल सिफारिशें कर सकती है जिन्हें संसद के समक्ष रखा जाएगा, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं हैं।

अतिरिक्त खर्च का बोझ राज्यों को दंडित करने की व्यवस्था

नियम 4(3) में प्रावधान है कि 卐किसी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र द्वारा अपने मानक आवंटन से अधिक किया गया कोई भी व्यय अधिनियम की धारा 22 की उप-धारा (5) के तहत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।卐 राज्यों द्वारा ज्यादा काम के दिन उपलब्ध करवाने के लिए राज्यों द्वारा किये गए प्रयासों पर खर्च को 卐अतिरिक्त खर्च卐 कहना ही वीबी-ग्राम-जी के मज़दूर विरोधी चरित्र को बताता है। सिर्फ़ इसलिए कि काम की मांग पहले से तय आवंटन से ज़्यादा है, मज़दूरों को रोज़गार के उनके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। मज़दूरों की मांग के अनुसार योजना को लागू करने के लिए राज्यों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

ई-केवाईसी की बाध्यता

करोड़ों मज़दूरों से काम से हक़ छीनने का औज़ार- ड्राफ़्ट नियम (397 ई) के अनुसार, वीबी-ग्राम-जी के तहत केवल उन्हीं मनरेगा जॉब कार्ड को मान्य माना जाएगा जिन्हें ई-केवाईसी के ज़रिए रिन्यू और वेरिफ़ाई किया गया है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि बड़ी संख्या में मज़दूर ई-केवाईसी की सख़्त तकनीकी ज़रूरतों को पूरा नहीं कर पाए हैं। हम जानते है कि आधार पेमेंट ब्रिज सिस्टम (एपीबीएस) को अनिवार्य किए जाने के बाद से, मज़दूरों को स्पेलिंग की गलतियों, डेटा में अंतर, बैकएंड तकनीकी समस्याओं आदि के कारण आधार/ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। ई-केवाईसी वेरिफ़िकेशन में इन नाकामियों के कारण देश भर में बड़ी संख्या में जॉब कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। इसका मतलब यह है कि करोड़ों मज़दूर जिनका ई-केवाईसी वेरिफ़िकेशन नहीं हुआ है, वीबी-ग्राम-जी के तहत काम के हक़ से महरूम हो जायेंगे।

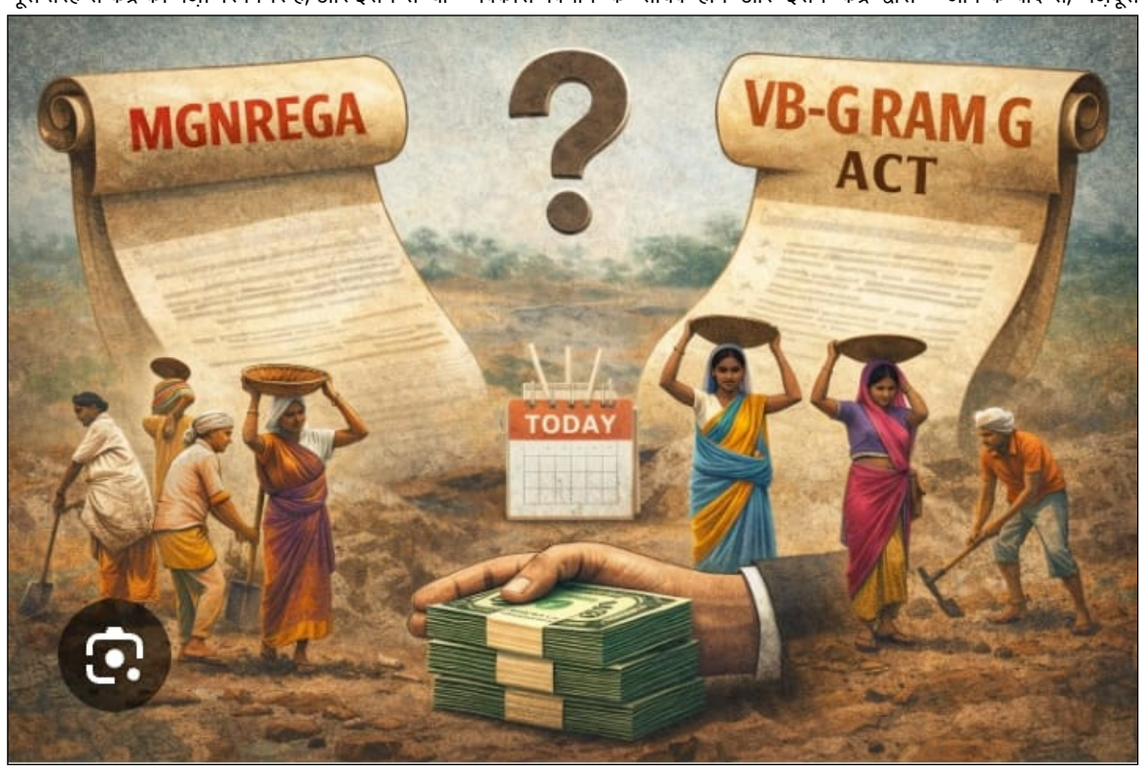

इन नियमों के अनुसार काम न मिलने, मज़दूरी के भुगतान में देरी, भ्रष्टाचार, प्रशासनिक खामियों और मज़दूरों के अधिकारों के उल्लंघन से जुड़ी शिकायतों की जांच के लिए राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर एक स्वतंत्र लोकपाल (ओम्बड्समैन) की व्यवस्था की जाएगी। लोकपाल स्वतंत्र पर काम करेगा और इसके पास बाध्यकारी सिफारिशें करने का अधिकार होगा। हमने पहले भी देखा है कि भ्रष्टाचार से लड़ने और जवाबदेही तय करने में सोशल ऑडिट की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए सोशल ऑडिट का काम करने लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था होनी चाहिए। सोशल ऑडिट के नतीजों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए और समीक्षा व जवाबदेही के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं के सामने पेश किया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, वीबी-ग्राम-जी के ये नियम साफ़ तौर पर दिखाते हैं कि यह मनरेगा की जगह लेने वाला कोई मज़बूत अधिकार-आधारित कानून नहीं, बल्कि एक सीमित, केंद्रीकृत और आवंटन-आधारित योजना है, जिसमें मज़दूरों की काम की मांग, उनकी भागीदारी और उनके अधिकारों की बजाय केंद्र सरकार की मज़ी, नौकरशाही नियंत्रण और तयशुदा बजटीय सीमाओं को प्राथमिकता दी गई है। यह ढांचा न केवल ग्रामीण रोज़गार की कानूनी गारंटी को कमजोर करता है, बल्कि राज्यों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक जवाबदेही और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर भी चोट करता है। ऐसे समय में जब ग्रामीण भारत में बेरोज़गारी, विस्थापन और आर्थिक असुरक्षा बढ़ रही है, रोजगार गारंटी को कमजोर करना करोड़ों खेत मज़दूरों और गरीब परिवारों की आजीविका पर सीधा हमला है। इसलिए ज़रूरत इस बात की है कि इन नियमों और पूरे वीबी-ग्राम-जी ढांचे का व्यापक जनप्रतिरोध खड़ा किया जाए, मनरेगा के अधिकार-आधारित स्वरूप की रक्षा की जाए, और यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण रोज़गार का सवाल किसी सरकारी कृपा का नहीं, बल्कि मज़दूरों के कानूनी और लोकतांत्रिक अधिकार का प्रश्न बना रहे।

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का ऐतिहासिक अभिनंदन हरिऔध कला केंद्र में उमड़ा कार्यकर्ताओं का सैलाब

आजमगढ़। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के प्रथम आजमगढ़ आगमन पर सोमवार को जिलेभर में भव्य स्वागत किया गया। हरिऔध कला केंद्र में आयोजित अभिनंदन समारोह में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा सभागार भाजपा के नारों, पुष्पवर्षा और उत्साह से गूंज उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह ने की। गोरखपुर से आजमगढ़ पहुंचने के दौरान महुला बाजार, कांखभार, लाटघाट, रजादेपुर, जीयनपुर, अंजान शहीद, बनकट, शिवालिक हॉस्पिटल, हाफाजपुर, जुनेदगंज, भंवरनाथ, करतालपुर, बवाली मोड़, भाजपा जिला कार्यालय और सिविल लाइंस सहित अनेक स्थानों पर हजारों कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश कुमार मिश्रा 'गुड्डू' के नेतृत्व में शिवालिक मेडिकल कॉलेज, बिजरवा के पास भी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत कर संगठन के प्रति उत्साह प्रदर्शित किया। हरिऔध कला केंद्र में आयोजित समारोह के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया।

पूरा परिसर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंजता रहा। कार्यकर्ताओं का जोश और उत्साह संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण का परिचायक बना। अपने संबोधन में विनोद राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता

संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है और उसकी मजबूती ही भाजपा की असली ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों और संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरी ऊर्जा, समर्पण और अनुशासन के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह ने कहा कि विनोद राय के नेतृत्व में गोरखपुर क्षेत्र में संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने संबोधन में कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विनोद राय के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनेगा। कार्यक्रम के दौरान हरिऔध कला केंद्र भाजपा के रंग में पूरी तरह रंगा दिखाई दिया। आकर्षक मंच सज्जा, स्वागत द्वार, बैनर-पोस्टर और हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद डॉ. संतोष कुमार सिंह, घनश्याम पटेल, देवेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, अखिलेश कुमार मिश्रा 'गुड्डू', जयनाथ सिंह, सच्चिदानंद सिंह, हवलदार सिंह, अरविंद जायसवाल, मंजू सरोज, वंदना सिंह, कृष्ण पाल, प्रेम प्रकाश राय, ऋषिकांत राय, कल्पनाथ पासवान, रामदर्शन यादव, माला द्विवेदी, ऋषिकेश दूबे, पवन सिंह 'मुन्ना', सिद्धार्थ राम सिंह, अवनीश मिश्रा, आनंद सिंह, विवेक निषाद, जितेंद्र राय, हेमेंद्र सिंह, अवनीश चतुर्वेदी और मृगांक शेखर सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बबराला से अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना, फूल-मालाओं से हुआ स्वागत

बबराला। नगर से एक दर्जन श्रद्धालुओं का जत्था बस द्वारा बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं के प्रस्थान के दौरान नगर में धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। जगह-जगह श्रद्धालुओं का फूल-मालाओं और बाजे-गाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी नगर के श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए रवाना हुए। यात्रा पर जाने वालों में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं रेलवे सलाहकार सदस्य विनय कुमार वाष्णेय, राजीव महेश्वरी, सुभाष यादव, गिरीश गुप्ता, आकाश गुप्ता, आदित्य गुप्ता, सुधांशु गुप्ता, अंकित गुप्ता और प्रिंस सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। श्रद्धालुओं के रवाना होने से पहले नगरवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए फूल-मालाओं से सम्मानित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर सभासद मीना गुप्ता, भाजपा के पूर्व महामंत्री दिनेश कौशल, आस्था वाष्णेय, सुखदेव वाष्णेय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सपा कार्यक्रम के मंच से मीडिया पर अभद्र टिप्पणी! वायरल वीडियो के बाद पत्रकारों में उबाल

कार्रवाई की चेतावनी

सलोन, रायबरेली। कस्बे के एक लॉन में आयोजित समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पत्रकारों और विभिन्न पत्रकार संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया है। वायरल वीडियो में यूट्यूबर संजय यदुवंशी मंच से माइक पर गाते हुए मीडिया जगत के लिए कथित रूप से अमर्यादित और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते सुनाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आते ही स्थानीय से लेकर जनपद स्तर तक पत्रकारों में नाराजगी की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान मंच से मीडिया को लेकर की गई टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों की ओर से कोई आपत्ति नहीं जताई गई। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इसे लेकर पत्रकार संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पत्रकारों का कहना है कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है।

ऐसे में किसी सार्वजनिक मंच से पूरे मीडिया जगत के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न केवल पत्रकारों का अपमान है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की मर्यादा पर भी सवाल खड़े करता है। क्षेत्रीय पत्रकारों ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को किसी समाचार या संस्था से आपत्ति है तो उसके लिए वैधानिक और संवैधानिक तरीके मौजूद हैं, लेकिन पूरे मीडिया वर्ग को निशाना बनाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पत्रकारों ने इसे निष्पक्ष पत्रकारिता का मनोबल तोड़ने का प्रयास बताया। वीडियो वायरल होने के बाद पत्रकार संगठनों ने यूट्यूबर संजय यदुवंशी से सार्वजनिक माफी और स्पष्टीकरण की मांग की है। कई संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो सामूहिक रूप से वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और आंदोलन की रणनीति भी बनाई जाएगी। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है। पत्रकार संगठनों ने प्रशासन से भी मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही! सड़क पर पड़ा 11 हजार वोल्ट लाइन का खंभा, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

रायबरेली। डलमऊ तहसील क्षेत्र के गदागंज थाना इलाके में पड़रिया से हसाऊं पुर जाने वाले मार्ग पर आंधी के दौरान गिरा 11 हजार वोल्ट बिजली लाइन का खंभा कई दिनों बाद भी सड़क पर पड़ा हुआ है। खंभा न हटाए जाने से बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क के बीचों-बीच खंभा पड़े होने से राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को रास्ता बदलकर निकलना पड़ रहा है, जबकि कई बार दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आंधी के बाद से कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन बिजली विभाग की ओर से अब तक खंभा हटाने या मार्ग को सुचारु कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि सड़क पर पड़े खंभे को तत्काल हटाकर आवागमन बहाल कराया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपाइयों ने किया नमन

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला एवं जिला पदाधिकारियों द्वारा नगर मंडल-1 के बूथ संख्या 367 पर की 125वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान शिक्षाविद्, राष्ट्रवादी चिंतक और आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में देश की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एकात्म मानववाद डॉ. मुखर्जी का महत्वपूर्ण विचार था, जिसे आत्मसात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री जनसेवा और राष्ट्रसेवा के कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के विभिन्न मंडलों में भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्राम सागर राठौर, सुधाकर शुक्ला, महेश शर्मा, विपुल प्रताप सिंह, अमन विक्रम सिंह, रितेश सिंह गौड़, सचिन मिश्रा, नीरज अवस्थी, आकाश अग्रवाल, दीपक शुक्ला, कामेश शुक्ला सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नहरों की सफाई न होने से धान की रोपाई प्रभावित, किसानों में नाराजगी

रायबरेली। गदागंज क्षेत्र के चारुहर जियायक, गौरा माधवपुर सहित आसपास के कई गांवों में नहरों की वर्षों से सफाई न होने के कारण किसानों को धान की रोपाई में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात का मौसम होने के बावजूद नहरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा, जिससे खेतों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है। स्थानीय किसानों का कहना है कि लंबे समय से नहरों की सफाई नहीं कराई गई है। नहरों में जगह-जगह गाद जमा होने, झाड़ियां उग आने और अवरोध बनने के कारण पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा। इससे धान की रोपाई का कार्य प्रभावित हो रहा है और किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि समय पर पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसल उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों ने सिंचाई विभाग से मांग की है कि नहरों की तत्काल सफाई कराकर पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि समय रहते धान की रोपाई पूरी हो सके और किसानों को नुकसान से बचाया जा सके।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को मिलेगी नई मजबूती

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के ठहरने और आपदा संसाधनों के सुरक्षित भंडारण की होगी व्यवस्था

आजमगढ़। जनपद में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए तहसील सगड़ी के ग्राम रामनगर बैजाबारी में प्रस्तावित 'आपदा बचाव कंट्रोल सेंटर' के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है। सोमवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने निर्माण हेतु चिन्हित भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य मार्ग से कंट्रोल सेंटर तक मानकों के अनुरूप संपर्क मार्ग का निर्माण कराया जाए तथा आवश्यकतानुसार सड़क और निर्माण स्थल की फीलिंग कर भूमि को सुरक्षित ऊंचाई तक विकसित किया जाए। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि प्रस्तावित

आपदा बचाव कंट्रोल सेंटर बाढ़ एवं अन्य आपदाओं के समय राहत एवं बचाव कार्यों का मुख्य केंद्र होगा। यहां एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं अन्य रेस्क्यू टीमों के ठहरने की व्यवस्था के साथ-साथ राहत कार्यों में प्रयुक्त आधुनिक उपकरण, आपदा सामग्री एवं अन्य आवश्यक संसाधनों का सुरक्षित भंडारण किया जाएगा। इससे आपदा के समय राहत कार्यों में तेजी आएगी और प्रभावित लोगों तक समयबद्ध सहायता पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि परियोजना की डीपीआर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर तैयार कर शासन को भेजी जाए, ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जा सके। इसके अलावा जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत विभाग को निर्माण स्थल के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन को तत्काल नियमानुसार अन्यत्र स्थानांतरित करने के निर्देश दिए, जिससे निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह कंट्रोल सेंटर बनाया जा रहा है। इसके निर्माण से भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों का संचालन अधिक व्यवस्थित, त्वरित और प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी सगड़ी श्याम प्रताप सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड), अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गौशाला की बदहाली पर उठे सवाल

- आंधी में ध्वस्त हुई गौशाला, महीनों बाद भी नहीं हुआ पुनर्निर्माण
- सैकड़ों गोवंश खुले में भटकने को मजबूर, ग्रामीणों में आक्रोश

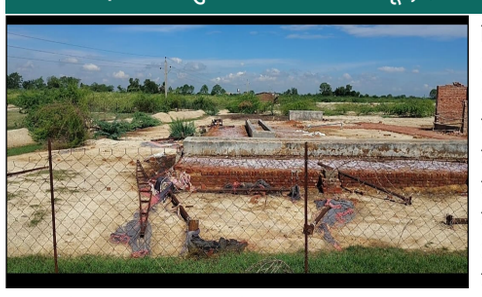

रायबरेली। गौरा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत चारुहर जियायक स्थित गौशाला की बदहाल स्थिति ने सरकारी व्यवस्थाओं और रखरखाव के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तेज आंधी में गौशाला क्षतिग्रस्त होने के कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक उसका पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, जिससे सैकड़ों गोवंश खुले में भटकने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार गौशाला के निर्माण और रखरखाव के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत बेहद खराब है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गोवंश बारिश, धूप और भूख-प्यास के बीच खुले में जीवन बिताने को विवश हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गौशाला की देखरेख और व्यवस्थाओं को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि गौशाला का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि गोवंशों को सुरक्षित आश्रय मिल सके। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर निर्माण कार्य और खर्च में हुई संभावित अनियमितताओं की पड़ताल कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान यूनियन की बैठक, आंदोलन की चेतावनी

रायबरेली। शिवगढ़ स्थित नहर कोठी परिसर में किसान यूनियन की बैठक प्रदेश अध्यक्ष पं. राजपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं, संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पं. राजपाल शर्मा ने कहा कि धान की रोपाई के महत्वपूर्ण समय में किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि फार्मर आईडी की अनिवार्यता के कारण किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। उन्होंने डीजल और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ लगातार हो रही बिजली कटौती पर भी चिंता जताई।

उनका कहना था कि इससे खेती-किसानी का कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है और किसानों की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो किसान यूनियन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में संगठनात्मक अनुशासन पर भी विशेष जोर दिया गया। पं. राजपाल शर्मा ने स्पष्ट किया कि संगठन में किसी भी नए पदाधिकारी की नियुक्ति जिला अध्यक्ष की संस्तुति और सहमति के आधार पर ही की जाएगी। साथ ही संगठन के नाम का गलत इस्तेमाल कर किसानों को भ्रमित करने वालों से सतर्क रहने की अपील की गई। बैठक में जिला अध्यक्ष सर्वेश वर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री जयवीर सिंह, प्रदेश सचिव ओम प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रताप, जोनल अध्यक्ष अनुपम वर्मा, हरेश कटारा, रामचंद्र, जिला सचिव गंगाप्रसाद, मनोज यादव, चंद्रपाल, सुशील सहित किसान यूनियन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपनी जमीन पर मकान नहीं बना पा रही 55 वर्षीय महिला, पड़ोसियों पर दबाव और मारपीट का आरोप

डलमऊ, रायबरेली। थाना क्षेत्र के घुरवारा गांव में एक 55 वर्षीय महिला ने अपनी पैतृक भूमि पर मकान निर्माण नहीं कर पाने की शिकायत प्रशासन से की है। महिला का कहना है कि वह वर्षों से अपनी जमीन पर निर्माण कार्य कराने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रही है, लेकिन अब तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। पीड़िता के अनुसार जब भी वह अपनी जमीन पर मकान बनवाने का प्रयास करती है, तब पड़ोसी इसका विरोध करने लगते हैं और उस पर दबाव बनाते हैं। महिला ने आरोप लगाया कि विरोध के दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई तथा निर्माण कार्य बंद कराने की धमकी दी गई। महिला का कहना है कि विवाद के कारण वह भय और तनाव के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर है। पीड़िता ने प्रशासन और पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने तथा अपनी भूमि पर सुरक्षित तरीके से मकान निर्माण कराने की मांग की है।

पीलीभीत को मिली रेल विकास की बड़ी सौगात 'विकास पुरुष' की छवि में उभरे जितिन प्रसाद

पीलीभीत। जिले की रेल कनेक्टिविटी के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद की पहल पर जनपद को एक साथ दो बड़ी रेल सौगातें मिलीं। टनकपुर-हुजूर साहिब नांदेड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया, वहीं टनकपुर-पीलीभीत सवारी गाड़ी का विस्तार शाहजहांपुर तक कर वर्षों पुरानी मांग को भी पूरा कर दिया गया। इन दोनों रेल परियोजनाओं को जिले के विकास और बेहतर संपर्क व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा वर्चुअल माध्यम से जुड़े। पीलीभीत रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने विशेष ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मिथलेश कुमार, बरखेड़ा विधायक प्रवक्तानंद, पूरनपुर विधायक बाबूराम, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरुभाग सिंह तथा सिख संगत के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे। जनपद में लंबे समय से नई रेल सेवाओं और बेहतर कनेक्टिविटी की मांग की जा रही थी। नई रेल सेवाओं के शुरू होने से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच सीधा संपर्क मजबूत होगा। वहीं शाहजहांपुर तक रेल सेवा विस्तार से किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और श्रद्धालुओं को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि सांसद जितिन प्रसाद ने रेल मंत्रालय से बेहतर समन्वय स्थापित कर पीलीभीत को ऐसी परियोजनाएं दिलाईं, जिनकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। समर्थकों का मानना है कि रेल कनेक्टिविटी, स्टेशन आधुनिकीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार ने उन्हें जिले में विकास केंद्रित नेतृत्व के रूप में स्थापित किया है।

एकेटीयू दीक्षांत- राज्यपाल ने दी 62537 छात्रों को डिग्रियां

➤ 83 छात्रों को दिए गए 84 पदक, पदक पाने वालों में 52 छात्राएँ एवं 31 छात्र शामिल ➤ 53 को छात्रों को अवार्ड हुई पीएचडी की डिग्री ➤ दीक्षांत किसी भी छात्र - छात्रा के जीवन में विशिष्ट अवसर :राज्यपाल ➤ हमें हर परिस्थिति में बेहतर से बेहतर कार्य करते हुए खुद को निखारना होगा - राज्यपाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ । डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 24वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। समारोह में मेधावियों पर स्वर्ण, रजत और कान्स्य पदकों ने शोभा बढ़ाई। मेहनत का फल मिलने पर आत्मविश्वास के भरे छात्रों के चेहरे की चमक स्वर्ण आभा जैसी थी। इस मौके पर सबसे पहले विश्वविद्यालय में चांसलर मेडल सर्वोच्च स्थान पाने वाली अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद के बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की छात्रा अंशिका राणा को दिया गया। जबकि कमल रानी वरूण स्मृति स्वर्ण पदक केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यक्रम की छात्रा इशिका को मिला। दीक्षांत समारोह में कुल 83 छात्रों को 84 पदक दिये दिय गये। जिसमें 35 स्वर्ण पदक तो 23 रजत और 24 कान्स्य पदक हैं। इस बार वहीं, समारोह में 62537 छात्रों को डिग्री एवं 53 छात्रों को पीएचडी की डिग्री अवार्ड हुई। कुल पदक पाने वालों में 52 छात्राएं तो 31 छात्र शामिल हैं। वहीं रोगन कला के कलाकार कंसारा आशीष शांतिलाल को डी लिट की मानद उपाधि प्रदान की गयी। इसके अलावा सभी डिग्रियां ब्लॉकचेन तकनीकी के माध्यम से डिजिलॉकर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन माध्यम से अपलोड किया। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत शैक्षिक शोभायात्रा से हुई। समारोह के दौरान इस बार भी पांच श्रेणियों में स्टूडेंट स्टार्टअप अवार्ड दिया गया। इसके अलावा राज्यपाल ने विवि के शिक्षकों की लिखी पुस्तकों का विमोचन किया । इस दौरान राज्यपाल ने बाल गृह बालिका, सिंधीखेड़ा में आरओ प्लांट, चार एसी यूनिट एवं विश्वविद्यालय के गोद लिये दो गांवों में स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया। दीक्षांत के बाद विश्वविद्यालय परिसर में मां बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि यह दीक्षांत किसी भी छात्र-छात्रा के जीवन में विशिष्ट अवसर है, और अपनी उपलब्धियों को मूल्यांकित करने का दिन भी होता है। यह सिर्फ डिग्री नहीं जिम्मेदारी भी है। उन्होने कहा कि भारत की इस विकास यात्रा में योगदान प्रदान कर विश्वगुरू बनाने के संकल्प में साझीदार बनना होगा। अपनी काबिलियत पर भरोसा रखकर राष्ट्रहित में कार्य करने की जरूरत है। परिस्थितियां किसी को भी आगे बढ़ने से कभी नहीं रोक सकती। हमें हर परिस्थिति में बेहतर से बेहतर कार्य करते हुए खुद को निखारना होगा।

प्रदेश का तकनीकी शिक्षा का इको सिस्टम काफी सुदृढ़ ः साहनी

मुख्य अतिथि शामिल हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह साहनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का तकनीकी शिक्षा का इको सिस्टम काफी सुदृढ़ और बेहतर है। यहां के छात्रों ने देश ही नहीं दुनिया में खुद को साबित किया है। इस मौके पर उन्होंने छात्रों से कहा कि अब जीवन का नया अध्याय शुरू हुआ है। आगे चुनौतियों के साथ अवसर भी खूब आयेंगे। इसलिए खुद को मजबूत रखने की आवश्यकता है। देश को आपकी जरूरत है। विकास की यात्रा में आपने जो सीखा है उसका योगदान दीजिए। उन्होंने कहा कि आज का दौर डिग्री होल्डर का नहीं बल्कि प्रॉब्लम सॉल्वर का है। दुनिया को अब जॉब सीकर नहीं जॉब क्रियेटर की जरूरत है। ऐसा लीडर होना चाहिए जो तकनीकी का प्रयोग कर आम जन की समस्याओं को दूर कर सके। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि इस सफलता के जरिये देश के विकास में योगदान देना लक्ष्य होना चाहिए। देश की तरक्की का जिम्मा युवाओं पर ही है। ऐसे में हमेशा खुद को तैयार रखिये। कहा कि नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में युवाओं को आगे आना चाहिए। कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडेय ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। धन्यवाद प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दिया। इस दौरान प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नगरिया सहित अधिष्ठता, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय रक्तदाता महाकुंभ में अयोध्या के आकाश गुप्ता सम्मानित

अयोध्या। बिहार के रोहतास स्थित में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रक्तदाता महाकुंभ-2 के दौरान राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं ब्लड मैन के नाम से प्रसिद्ध आकाश गुप्ता को रक्तदान और मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान बिहार सीआईडी के निदेशक द्वारा प्रदान किया गया। आयोजन में नेपाल, भूटान सहित देश के 24 राज्यों से रक्तदाता, सामाजिक कार्यकर्ता और विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान के महत्व, जागरूकता और मानव सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। आकाश गुप्ता अब तक नौ राज्यों में रक्तदान कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित 183 रक्तदान शिविरों के माध्यम से करीब 12 हजार मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जा चुका है। उनके कार्यों की सराहना करते हुए आयोजकों ने उन्हें मानव सेवा के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बताया।

जे.पी.आई. का गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन

राम मंदिर चंदा मामले की सीबीआई जांच, ट्रस्ट भंग करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जनसत्ता पार्टी ऑफ इंडिया (जे.पी.आई.) एवं राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच (एन.वाई.आर.एम.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर सिंह %पुष्कर% के नेतृत्व में मंगलवार को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर श्रीराम मंदिर चंदा चोरी के कथित मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से पूरे प्रकरण की सीबीआई अथवा जेपीसी जांच, ट्रस्ट के सभी संबंधित सदस्यों का नार्को टेस्ट, श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट को भंग कर सनातन बोर्ड के गठन तथा चंपत राय, अनिल मिश्रा सहित अन्य कथित दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर सिंह %पुष्कर% ने कहा कि श्रीराम मंदिर करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है और यदि चंदे में किसी भी प्रकार की अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकरण से जनभावनाएं आहत हुई हैं और लोगों के बीच अविश्वास का वातावरण बना है। उन्होंने राजनीतिक दलों से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील करते हुए कहा कि सत्य सामने लाने के लिए स्वतंत्र जांच कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशभर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या कूच किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ÷चंदा चोरों को गिरफ्तार करो÷, ÷जन आस्था के सम्मान में जे.पी.आई. मैदान में÷, ÷ट्रस्ट भंग कर सनातन बोर्ड का गठन करो÷ जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर एडवोकेट जेपी सिंह, अशोक पटेल, अजमत उल्ला खां, ममता कश्यप, रबिंदु शुक्ला, राजेश मिश्रा, अरविंद राज, नितेश कुमार, इलियास मंसूरी, अंश सिंह चौहान, विनोद सिंह, अभिषेक पाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैंसर पीड़ित सपा नेता को अखिलेश यादव की ओर से पांच लाख की आर्थिक सहायता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से कैंसर से जूझ रहे वरिष्ठ सपा नेता राम रंग यादव को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। पूर्व मंत्री उनके आवास पहुंचे और सहायता राशि सौंपते हुए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय 'पवन' ने कहा कि अखिलेश यादव हमेशा अपने कार्यकर्ताओं और जरूरतमंद लोगों के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारी या किसी अन्य संकट की स्थिति में पार्टी नेतृत्व संवेदनशीलता के साथ हरसंभव सहयोग करता है। यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता और परिवार जैसा संबंध दर्शाती है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि राम रंग यादव जल्द स्वस्थ होकर पुनः सक्रिय सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में लौटें। सपा प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया कि तेज नारायण पांडेय 'पवन' सरकार में न रहते हुए भी अयोध्या क्षेत्र में लगातार जनसेवा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि कैंसर समेत विभिन्न गंभीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद लोगों तक आर्थिक सहायता पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय 'पवन' की जनसरोकारों से जुड़ी सक्रियता और लोगों के सुख-दुख में निरंतर साथ खड़े रहने की सराहना की।

अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने महंत संजय दास महाराज, तीर्थ पुरोहित समाज ने किया भव्य स्वागत

अयोध्या। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद पर पूज्य महंत संजय दास महाराज के चयन से अयोध्या के तीर्थ पुरोहित समाज में उत्साह का माहौल है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के बाद अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट और विभिन्न धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उनके निज निवास पहुंचकर भव्य स्वागत किया। अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश महाराज, समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गेश पांडे, 'लड्डू गोपाल' सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप महाराज तथा तीर्थ पुरोहित अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे सहित बड़ी संख्या में संत और समाजसेवी मौजूद रहे। इस दौरान महंत संजय दास महाराज को फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया और उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महंत संजय दास महाराज का व्यक्तित्व प्रभावशाली और समाज के प्रति समर्पित रहा है। उनके नेतृत्व और अनुभव से अखाड़ा परिषद को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। स्वागत समारोह के दौरान राजेश महाराज ने कहा कि यह अयोध्या के लिए गर्व का विषय है कि यहां के संत अब राष्ट्रीय स्तर पर अखाड़ा परिषद का प्रतिनिधित्व करेंगे। अन्य पदाधिकारियों ने भी महंत संजय दास महाराज को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। महंत संजय दास महाराज ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह धर्म, संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित समाज के कई गणमान्य लोग, संतजन और श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने महंत संजय दास महाराज को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचे विद्याभूषण गोंड का भव्य स्वागत

बोले, भाजपा ने अनुसूचित जनजाति समाज को दिया सम्मान और नेतृत्व

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार लखनऊ से गोरखपुर जाते समय अयोध्या धाम के सहादतगंज क्षेत्र में कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा नेता हरिभजन गोंड ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर विद्याभूषण गोंड ने कहा कि भाजपा ने अनुसूचित जनजाति समाज को सम्मान और नेतृत्व देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और केंद्र तथा प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से भाजपा को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रवीण गोंड, श्रवण कुमार गोंड, प्रमोद गोंड, वरुण चौधरी, अनुराग त्रिपाठी, रमाशंकर निषाद, संतोष गोंड, दीपक पांडे, निखिल श्रीवास्तव और लाल शुक्ला सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर भाजपाइयों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन,राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया स्मरण

महानगर के 419 बूथों पर आयोजित हुए कार्यकम

अयोध्या। भारतीय जनसंघ के संस्थापक की 125वीं जयंती पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से बस अड्डा स्थित सिविल लाइन परिसर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम से पूर्व कार्यकर्ताओं ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। इसके साथ ही महानगर क्षेत्र के 419 बूथों पर महानगर पदाधिकारियों एवं बूथ समितियों द्वारा डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका त्याग और राष्ट्रवादी विचार आज भी करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। महापौर ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का सर्वोत्तम उदाहरण है। उनके सिद्धांत आज भी देश के विकास और सुशासन की दिशा तय करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि युवाओं को डॉ. मुखर्जी के विचारों और राष्ट्रसेवा के संकल्प से प्रेरणा लेकर देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी का संघर्ष भारतीय राजनीति के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर करते रहेंगे। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, अभिषेक मिश्र, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, आलोक सिंह रोहित, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, राघवेन्द्र पाण्डेय, शैलेन्द्र कोरी, तिलकराम मौर्या, इंद्रभान सिंह, हरभजन गौड़, अरविंद सिंह, बालकृष्ण वैश्य, रवि शर्मा, शिवम शुक्ला, रवि सिंह, प्रवीण दूबे, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, रवि सोनकर, कपिल देव वर्मा, रीना द्विवेदी, स्वाती सिंह, गरिमा मौर्या, अमित कुमार मिश्र, ज्ञान केसरवानी, सुशील मिश्र बब्लू, प्रदीप यादव, व्यंकटेश मिश्र, दिनेश कन्नौजिया, सुशील मिश्रा, वरुण चौधरी, स्वप्निल श्रीवास्तव, मुधकर आनंद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राम मंदिर प्रकरण पर बेवजह बयानबाजी कर रहे हैं अखिलेश, एसआईटी सच सामने लाएगी: सुरेश यादव

अयोध्या। राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा एवं चढ़ावा प्रकरण को लेकर समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच चल रही है और उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार, एसआईटी तथा अयोध्या पुलिस की कार्रवाई पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होगी, चाहे वह कोई भी क्यों न हो। सुरेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर बेवजह बयानबाजी कर रहे हैं। उनका कहना था कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है और इसे राजनीतिक विवाद का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेता बिना जांच पूरी हुए आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, जबकि मामले की जांच अभी जारी है। उन्होंने कहा कि चंदा एवं चढ़ावा प्रकरण में अब तक आठ आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है और जांच लगातार आगे बढ़ रही है। ऐसे में किसी भी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष ठहराने का निर्णय जांच पूरी होने के बाद ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें , एसआईटी और अयोध्या पुलिस की निष्पक्ष जांच पर पूरा विश्वास है। सुरेश यादव ने कहा कि वह चंपत राय को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, लेकिन यदि जांच में चंपत राय या कोई अन्य व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि जांच पूरी होने तक अफवाहों और राजनीतिक बयानबाजी से बचें तथा कानून की प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

अयोध्या में गूंजा 'त्रिनेत्र गणेश' का जयघोष, 300 श्रद्धालुओं ने जगाई सनातन आस्था की अलख

सीताराज महल में भव्य त्रिनेत्र गणेश महोत्सव सम्पन्न, राम मंदिर निर्माण से जुड़े नेमीचंद शर्मा रहे मौजूद

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित सीताराज महल में महंत श्याम बिहारी दास महाराज के सानिध्य में आयोजित 'त्रिनेत्र गणेश महोत्सव' श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम बन गया। महोत्सव में राजस्थान के सवाई माधोपुर (रणथंभौर) सहित देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे करीब 300 श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान गणेश की आराधना में लीन होकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और प्रवचनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हनुमानगढ़ के संत सरवन दास तथा श्रीराम मंदिर निर्माण में पत्थर आपूर्ति करने वाले प्रमुख व्यवसायी नेमीचंद शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। संतों और श्रद्धालुओं ने सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा धार्मिक परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प भी लिया। सवाई माधोपुर से आए श्रद्धालु अशोक कुमार खुन्टेता ने बताया कि यह चार दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा थी। यात्रा के प्रथम चरण में श्रद्धालुओं ने बरसाना पहुंचकर श्रीराधा रानी के दर्शन किए।

इसके बाद सभी काशी पहुंचे, जहां 3 और 4 जुलाई को त्रिनेत्र गणेश का भव्य दरबार सजाया गया। 4 जुलाई को निकाली गई विशाल शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और धार्मिक जयघोष के साथ भगवान गणेश की महिमा का गुणगान किया। अशोक कुमार खुन्टेता ने रणथंभौर दुर्ग स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विश्व का एकमात्र स्वयंभू मंदिर है, जहां भगवान गणेश त्रिनेत्र स्वरूप में विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहाड़ियों और रणथंभौर के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह प्राचीन मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। महोत्सव के दौरान अयोध्या नगरी पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंगी नजर आई। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम की नगरी में 'त्रिनेत्र गणेश' के जयघोष के साथ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता का संदेश दिया। महंत श्याम बिहारी दास महाराज के सानिध्य में सम्पन्न इस आयोजन ने श्रद्धालुओं के मन में गहरी आध्यात्मिक छाप छोड़ी।

दहेज उत्पीड़न मामले का वारंटी कानपुर से गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न समेत गंभीर धाराओं में वांछित चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बाबूसिंह पुत्र रामअवतार, निवासी ग्राम सूबेदारखेड़ा थाना नरवल जनपद कानपुर नगर के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 41 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार बाबूसिंह थाना बकेवर में दर्ज मुकदमा संख्या 889/2015 में वांछित था। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 323, 307, 504, 506 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज है। थाना प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रजनीश पाण्डेय और हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार सिंह शामिल रहे।

पूर्व विधायक दादा तेजभान सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुँचीं स्मृति इरानी

दादा के आदर्शों को जीवंत रखना ही हम सबका कर्तव्य स्मृति इरानी

अमेठी। अमेठी के पूर्व विधायक, जनप्रिय जननेता एवं संगठननिष्ठ कार्यकर्ता स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सांसद श्रीमती स्मृति इरानी उनके पैतृक आवास पहुँचीं। उन्होंने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी गहन संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर स्मृति इरानी ने अत्यंत भावुक शब्दों में स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह के साथ अपने आत्मीय संबंधों का स्मरण करते हुए कहा, वर्ष 2014 में जब मैं पहली बार अमेठी की धरती पर चुनाव लड़ने आई थी, तब दादा तेजभान सिंह प्रत्येक क्षण कंधे से कंधा मिलाकर मेरे साथ खड़े रहे। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और संगठन के प्रति अद्वितीय समर्पण सदैव मेरी प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि दादा तेजभान सिंह का संपूर्ण सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, संगठननिष्ठा, सादगी, ईमानदारी और जनकल्याण के उच्च आदर्शों से प्रेरित रहा। उनका व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा तथा उनके विचारों और मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी कार्यकर्ताओं का नैतिक दायित्व है। स्मृति इरानी ने दिवंगत नेता के भतीजे राजेश सिंह एवं सुनील सिंह तथा पौत्र अभ्युदय सिंह 'शुभम' सहित समस्त शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह का जीवन जनसेवा, राष्ट्रनिष्ठा और संगठन के प्रति अविचल समर्पण का अनुपम उदाहरण था। उनकी कर्मनिष्ठा, सरलता और लोकसेवा का प्रकाशपुंज सदैव समाज और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करता रहेगा।

करिश्मा कपूर

अब हर उम्र के एटर के लिए रोल लिखे जा रहे हैं

करिश्मा कपूर इस वक्त अपनी हालिया रिलीज सीरीज श्ब्राउनश् को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफहो रही है। करिश्मा ने ओटीटी पर काम करने के एक्सपीरियंस, 40 में मिल रहे रोल और एक्टर्स के लिए बढ़े मौकों पर बात की। श्अंदाज अपना अपनाश्, श्साजन चले ससुरालश् और श्जुड़वांश् जैसी फिल्मों से 90 के दशक में फैंस का मनोरंजन करने वालीं करिश्मा कपूर ने भले ही बड़े पर्द से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं। हाल ही में करिश्मा ने श्नवभारत टाइम्सश् से अपनी फिटनेस, करियर और अपनी वेब सीरीज श्ब्राउनश् के बारे में बात कीरू – जब भी आपकी बात आती है, तो लोग सबसे ज्यादा आपके फिटनेस सीक्रेट के बारे में जानना चाहते हैं। उस बारे में थोड़ा बताइए। दरअसल, मैं कुछ ज्यादा करती नहीं हूं और सबको पता है कि मेरी फैमिली में सबको खाने का बहुत शौक है। मुझे भी बहुत शौक है खाने का। लेकिन मैं मानती हूं कि हमें साथ-साथ कुछ करते भी रहना चाहिए। हमें एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। मैं बहुत बड़ी जिम पर्सन नहीं हूं, इसके बावजूद मैं बाकी चीजें जैसे योगा, वॉकिंग, रनिंग करती हूं। और मैं पहले से ही ऐसा कर रही हूं। मेरा मानना है कि हमें सब कुछ इंजॉय करना चाहिए। डेजर्ट भी खाना चाहिए, लेकिन सीमित मात्रा में। जरूरत से ज्यादा डाइटिंग भी नहीं करनी चाहिए। तो सब कुछ एक तय सीमा तक ठीक है। साथ में एक्सरसाइज भी करते रहना चाहिए। – पहले शादी और बच्चों के बाद हीरोइन ब्रेक पर चली जाया करती थीं। लेकिन अब वो करियर को कंटिन्यू करती हैं। जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है। जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है। – क्या पहले के मुकाबले, आज के दौर में हीरोइनों के लिए ज्यादा मौके हैं? मुझे लगता है कि हर दशक में, हर दौर में ऐसे मौके मिलते हैं। चाहे हम श्मदर इंडियाश् के टाइम से देखें और उसके बाद भी लिस्ट बहुत लंबी है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मुझे अवसर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। फिर चाहे वह श्बीवी नंबर 1श् हो, श्शक्तिश्, श्फिजाश्, श्जुबैदाश्, श्राजा हिंदुस्तानीश् या फिर श्दिल तो पागल हैश्। तो इन सारी फिल्मों में हीरोइन का किरदार बहुत ही बढ़िया था और वह स्ट्रॉन्ग वुमन भी थीं। वह अपने स्तर पर अपनी स्ट्रेंथ दिखा रही थीं। लेकिन अब व्ज्ज् के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है। – इसी वजह से अब हर उम्र में सोलो लीड वाली फिल्में भी मिल पा रही हैं? मुझे लगता है कि इन दिनों सभी आर्टिस्ट्स किस्मत वाले हैं, चाहे एक्टर हो या एक्ट्रेस। चाहे वह बच्चा हो या फिर दादी हो, उनका भी सोलो लीड हो सकता है। यह बहुत ही क्रिएटिव टाइम है एक्टर्स के लिए और दर्शकों के लिए भी, क्योंकि उन्हें भी अलग तरह का सिनेमा देखने का मौका मिल रहा है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। लेकिन अब व्ज्ज् के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है। – अपनी नई वेब सीरीज श्ब्राउनश् के बारे में कुछ बताएं। श्ब्राउनश् एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है, लेकिन साथ में एक ह्यूमन स्टोरी भी है। यह कहानी रीटा ब्राउन और बाकी कैरेक्टर्स की है, जो बिल्कुल भी वन डाइमेंशनल स्टोरी नहीं है। यह दिखाती है कि रीटा ब्राउन क्या है, वह किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं। और इन सबके बीच जब वह मर्डर केस सॉल्व कर रही हैं, तब वह कैसे साथ-साथ खुद में भी बदलाव कर रही है। दूसरा, इस सीरीज ने मुझे बहुत चौलेंज किया। इसमें इतना कुछ अलग था। इसलिए मैंने यह प्रोजेक्ट किया। – आपको फिल्मी दुनिया में इतना अनुभव है। अब आप व्ज्ज् प्रोजेक्ट्स में भी काम कर रही हैं। तो आपको क्या फर्क महसूस हुआ दोनों प्लेटफॉर्म्स पर काम करने में? पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। हम तो सेट पर जाते थे, डायलॉग याद करते थे और काम करते थे। तो वह बहुत ही अलग समय था, अलग दौर। और अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। तो यह बहुत अलग है और मजेदार अनुभव भी। जहां तक प्लेटफॉर्म्स की बात है तो मुझे दोनों के बीच में तुलना नहीं करनी है क्योंकि तब जिस तरह की फिल्में बनती थीं, वह कुछ अलग ही समय था और अब माहौल अलग है, तो हमें समय के साथ आगे बढ़ना है। पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। – कोलकाता में शूटिंग का अनुभव कैसा रहा? मुझे कोलकाता बहुत पसंद है। मैं पहले जा चुकी थी, लेकिन इस बार मैंने वहां खूब अच्छा समय बिताया। हमने सभी रियल लोकेशंस पर शूटिंग की। हम कोलकाता में पूरे दो महीने के लिए थे, तो रियल लोकेशंस, चाहे वह चाइना टाउन हों या फिर बो बैरक्स हो, हमने हर जगह शूटिंग की, वह भी मई-जून की गर्मी में। तो वह काफी अलग अनुभव था, लेकिन बड़ा मजा आया।

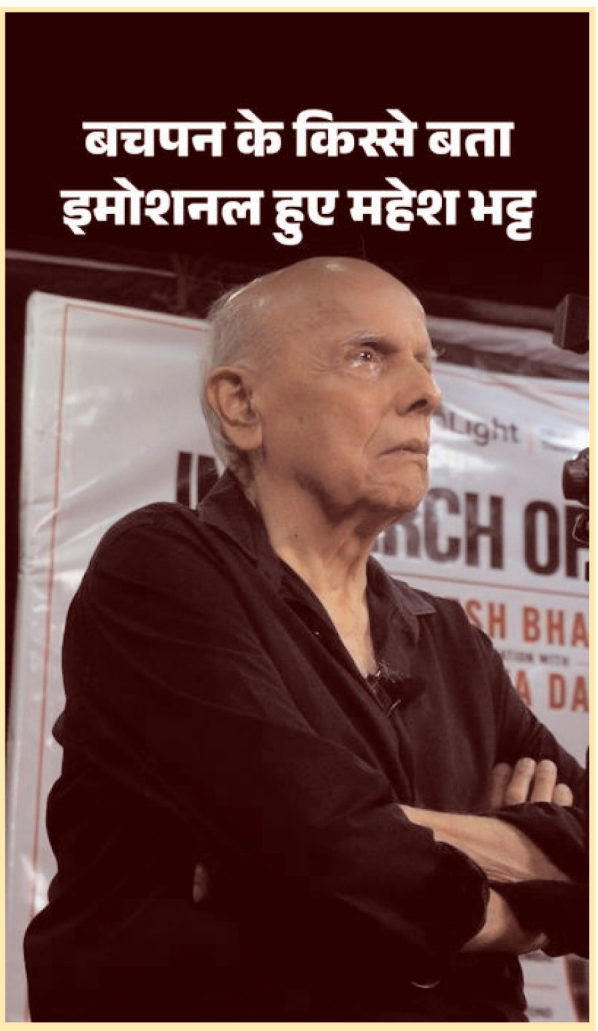

बचपन के किस्से बता इमोशनल हुए महेश भट्ट

सीनियर फिल्ममेकर और लेखक महेश भट्ट ने मुंबई में आयोजित कार्यक्रम श्इन सर्च ऑफ ट्रुथश् में जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर बात की। वर्सोवा के आरडीएक्स स्टूडियो में स्क्रिप्ट राइटर और डायरेक्टर सुहृता दास के साथ हुए इस संवाद में उन्होंने अपने बचपन, करियर के संघर्षों और रिश्तों पर खुलकर चर्चा की। महेश भट्ट ने कहा कि लोग अक्सर अपनी जिंदगी को भविष्य के लिए टालते रहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि जीवन इसी पल और इसी सांस में है। इस कार्यक्रम में फिल्म निर्माण के अलावा मानसिक स्वास्थ्य और बच्चों के पालन-पोषण पर भी विचार साझा किए गए। राज खोसला से मिली थी शून्य से शुरुआत की सीख भट्ट ने अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए डायरेक्टर राज खोसला की एक बात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राज खोसला ने उनसे कहा था, ष्शून्य से शुरुआत करना एक बेहतरीन आंकड़ा है।ष् महेश भट्ट के मुताबिक, शून्य से शुरुआत करने में डरने की कोई बात नहीं है, बल्कि इस पर गर्व होना चाहिए क्योंकि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत यहीं से होती है। उन्होंने बताया कि महज चार साल की उम्र में वे पहली बार सिनेमा की तरफ आकर्षित हुए थे और तभी से उनके भीतर कहानियां कहने की इच्छा जागी थी। बीमार मां के बालों में सजाए थे जुगनू बातचीत के दौरान महेश भट्ट अपनी मां को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने बचपन का एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि एक बार उनकी मां काफी बीमार थीं। उन्हें हंसाने के लिए उन्होंने मां के बालों में जुगनू सजा दिए थे। उन्होंने कहा कि कला और बेहतरीन कहानियां अक्सर जीवन के ऐसे ही साधारण और मानवीय पलों से निकलती हैं। भट्ट ने माना कि उनकी ज्यादातर क्रिएटिविटी और फिल्में उनके निजी संघर्षों, असफलताओं और टूटे हुए दिल के अनुभवों का ही नतीजा हैं। पहले अलग दिखना चाहता था, अब लोगों से जुड़ना चाहता हूं अपने बचपन के विद्रोही स्वभाव पर बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा कि एक समय था जब वे हमेशा भीड़ से अलग दिखना चाहते थे। लेकिन उम्र और अनुभव के साथ उन्हें समझ आया कि इंसान का असली विकास दूसरों से अलग होने में नहीं, बल्कि लोगों के साथ जुड़ने और जीवन को साझा करने में है। सफलता को लेकर उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि अगली कामयाबी हमें खुशी देगी, लेकिन संतुष्टि इसी वर्तमान समय में जीने से मिलती है। बच्चों के पालन-पोषण और युवाओं को दी सलाह कार्यक्रम के आखिरी हिस्से में एक सवाल-जवाब का सेशन रखा गया। इसमें आए छात्रों, थिएटर आर्टिस्ट्स और राइटर्स ने महेश भट्ट से कई सवाल पूछे। पेरेंटिंग पर जवाब देते हुए भट्ट ने कहा कि बच्चे माता-पिता के उपदेशों से नहीं, बल्कि उनके व्यवहार को देखकर सीखते हैं। इसलिए माता-पिता को बच्चों को सिर्फनिर्देश देने के बजाय उनकी बात को ध्यान से सुनना चाहिए। युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि असफलता से डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सबसे बड़ी सीख अक्सर हार से ही मिलती है।

'ये सब मेरे लिए किसी सपने जैसा था...'

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म श्मां इंटी बंगारमश् को लेकर खूब सुर्खियों में हैं. 19 जून को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसे लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं. इसी बीच सामंथा ने हाल ही में अपने करियर और लाइफको लेकर खुलकर बात की और अपने बीमारी के बारे में बताया. करियर को लेकर सामंथा का बयान अपनी फिल्म के प्रमोशन के समय सामंथा ने कहा, श्मेरे लिए ये बहुत हैरान करने वाली बात थी कि एक छोटे शहर की लड़की को इतना प्यार मिला. लोग मुझे बड़े पर्दे पर देखना पसंद करते थे, मेरी फिल्मों का इंतजार करते थे और मेरा नाम चिल्लाते थे. ये सब मेरे लिए किसी सपने जैसा था.श् वहीं उन्होंने बताया कि एक वक्त था जब उन्हें काम करने और हिट होने की आदत हो गई थी. सामंथा को हुआ था अहंकार उन्होंने आगे कहा, श्एक साल में मैंने पांच फिल्में की थी और सभी हिट हुई. लोग कहने लगे थे कि मेरा गोल्डन एरा है और मुझे लगा कि मुझे लोगों की उम्मीदों पर खड़ा उतरना ही होगा. इसलिए मैं लगातार काम करती रही और खुद को फोर्स करती रही. हालांकि एक कलाकार के तौर पर आप इतने अहंकारी हो जाते हैं कि आपको लगता है कि ये सफर कभी खत्म नहीं होगा. आप ये मानने को तैयार ही नहीं होते कि एक दिन इसका अंत भी हो सकता है.श् बीमारी ने बदल दी जिंदगी इसके अलावा उन्होंने अपनी बीमारी के बारे में कहा, श्बीमारी के कारण मुझे लगा कि अब करियर खत्म हो जाएगा और इसी ने मेरी जिंदगी बदल दी. मैंने सोच लिया था कि अगर मैं इस ब्रेक के बाद वापस काम पर लौटूंगी, तो मुझे बहुत सी चीजें बदलनी होंगी. मुझे अपनी पुरानी आदतों और काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा. फिल्म के बारे में बता दें कि श्कुशीश् फिल्म की शूटिंग के बीच उन्हें मायोसाइटिस नाम की बीमारी हुई थी, जिस वजह से उन्होंने कई महीनों तक काम नहीं किया और ठीक होने के बाद वापसी की. वहीं बात करें काम की, तो तो उनकी फिल्म श्मां इंटी बंगारमश् को नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है, जिसमें सामंथा के साथ दिगंत और गुलशन देवैया लीड रोल में हैं.

फिलिस्तीनी समर्थक ही इंसान है

मिस्र के कोच होसाम हसन ने अर्जेंटीना के खिलाफहोने वाले विश्व कप के राउंड ऑफ16 मैच से पहले फलस्तीन के लोगों की दुर्दशा पर बात की और कहा कि जो कोई भी उनके प्रति सहानुभूति नहीं रखता वह 'इंसान नहीं' है। हसन ने पिछले दौर में ऑस्ट्रेलिया पर मिस्र की जीत के बाद फलस्तीन का ध्वज लहराया था। अर्जेंटीना के खिलाफमैच से पहले उन्होंने कहा, ''अगर दुनिया में कोई भी ऐसा व्यक्ति है जो फलस्तीन के प्रति सहानुभूति नहीं रखता है तो वह इंसान नहीं है। फिर चाहे वह अरब हो, यूरोपीय हो या अमेरिकी।'' गाजा में 20 लाख से अधिक फलस्तीनी सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल की जवाबी कार्रवाई में कुल 73,066 लोग मारे गए हैं। हसन ने कहा, ''पूरी दुनिया में अगर कोई जानवर को नुकसान पहुंचाता है, तो हम देखते हैं कि पशु अधिकारों का बचाव किया जाता है और पूरी दुनिया प्रतिक्रिया देती है। मिसाइल हमले में एक ही दिन में दो-तीन हजार लोगों की मौत की खबरें सुनना आम बात हो गई है।'' विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने टूर्नामेंट के दौरान फलस्तीन का ध्वज लहराने की अनुमति दे रखी है।

स्पेन ने रचा फीफा विश्व कप में नया इतिहास!

स्पेनिश फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप में अपनी अभेद्य रक्षात्मक दीवार (क्ममिदेम) के दम पर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों से दर्ज करा लिया है। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सोमवार को पुर्तगाल पर 1-0 की रोमांचक जीत दर्ज करने के साथ ही स्पेन ने विश्व कप इतिहास में लगातार छह मैचों में 'क्लीन शीट' (बिना एक भी गोल खाए मुकाबला जीतना या ड्रॉ खेलना) रखने का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। इसके साथ ही टीम के स्टार गोलकीपर उनाई साइमन ने लगातार 609 मिनट तक गोल न खाने का एक नया और अटूट वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्पेन ने इस उपलब्धि के साथ 1990 में इटली और 2006-10 के दौरान स्विट्जरलैंड के लगातार पांच क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्पेन का यह सिलसिला 2022 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ0-0 के ड्रॉ से शुरू हुआ था। हालांकि उस मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट के जरिए मोरक्को अगले दौर में पहुंच गया था। मौजूदा विश्व कप में स्पेन ने ग्रुप चरण के पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफगोलरहित ड्रॉ खेला। इसके बाद टीम ने लगातार चार मुकाबलों में विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नॉकआउट चरण के पहले मुकाबले में ही ऑस्ट्रिया पर 3-0 की जीत के दौरान 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में लगातार पांच क्लीन शीट के साथ 517 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल नहीं करने दिया था। साइमन का यह शानदार सिलसिला 2022 विश्व कप में जापान के खिलाफ2-1 की हार के दौरान खाए गए गोल के बाद शुरू हुआ था। पुर्तगाल के खिलाफमुकाबले से पहले साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में केवल चार गोल बचाये थे, जबकि ऑस्ट्रिया के खिलाफपिछले मैच में विपक्षी टीम एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सकी थी। पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पहले हाफमें दो बार स्पेन के गोल पर खतरा पैदा किया, लेकिन साइमन दोनों मौकों पर दीवार बनकर खड़े रहे। दूसरे प्रयास में उन्होंने हवा में छलांग लगाते हुए दोनों हाथों से शानदार बचाव किया। साइमन के इस बेहतरीन बचाव ने स्पेन की बढ़त और ऐतिहासिक क्लीन शीट का सिलसिला बरकरार रखा।

फैसला मैं खुद करूंगा

फीफा विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन से होने वाले अहम मुकाबले से पहले पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ समय से यह चर्चा तेज है कि मौजूदा विश्व कप उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है, लेकिन रोनाल्डो ने साफकर दिया कि संन्यास कब लेना है, इसका फैसला वही करेंगे। स्पेन के खिलाफमुकाबले की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता में 41 वर्षीय रोनाल्डो ने कहा कि उनसे हर बार यही सवाल पूछा जाता है कि क्या यह उनका आखिरी विश्व कप है।

फिर रोनाल्डो का सपना टूटा

अभी कोई जल्दबाजी वाला फैसला नहीं करूंगा

स्पेन से हार के बाद रोनाल्डो भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, श्विश्व कप से इस तरह बाहर होना दुखद है। मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया। मैंने अपनी ओर से पूरी कोशिश की और मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं कि मैंने कोई कमी नहीं छोड़ी। हां, यह मेरा आखिरी विश्व कप था, लेकिन अब मेरे पास सोचने और अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका होगा। मैं कोई भी जल्दबाजी वाला फैसला नहीं करूंगा।ष् उन्होंने आगे कहा, मैं कभी भी भावनाओं में बहकर फैसले नहीं लेता।

डलास। फीफा विश्व कप 2026 से पुर्तगाल के बाहर होने के साथ ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप सफर समाप्त हो गया। हालांकि वह विश्व कप ट्रॉफी नहीं जीत सके, लेकिन उनके रिकॉर्ड, उपलब्धियां और पुर्तगाल को दिलाए गए ऐतिहासिक खिताब साबित करते हैं कि उनकी महानता किसी एक ट्रॉफी की मोहताज नहीं है। स्पेन के खिलाफ राउंड ऑफ-16 में मिली हार के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल का फीफा विश्वकप में सफर खत्म हो गया। रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ मैच से पहले ही बोल दिया था कि यह उनका आखिरी विश्वकप है। हालांकि, वह अभी संन्यास नहीं लेने जा रहे हैं। इसका फैसला वह परिवार के साथ कुछ समय बिताने के बाद करेंगे। करोड़ों फैंस का सपना था कि 41 वर्षीय दिग्गज अपने करियर का समापन विश्वकप ट्रॉफी के साथ करें, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसके बाद सोशल मीडिया पर फिर से उनकी और लियोनल मेसी की महानता को लेकर तुलना शुरू हो गई, कोई मेसी को ळ.व्.।.ज् यानी ग्रेटेस्ट ऑफऑल टाइम बता रहा तो कोई रोनाल्डो को। सोशल मीडिया पर फिर वही सवाल उठने लगा कि क्या विश्व कप न जीत पाने से रोनाल्डो की महानता पर कोई असर पड़ेगा? अगर आंकड़ों, रिकॉर्ड्स और फुटबॉल इतिहास को देखा जाए तो जवाब साफहै- नहीं।

क्रिस्टियानों रोनाल्डो

फुटबॉल वर्ल्ड कप करियर

(2006, 2010, 2014, 2018, 2022, 2026)

मैच 26 | गोल 10 |असिस्ट 2

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: 2006 में सेमीफाइनल (चौथा स्थान)

हर वर्ल्ड कप में प्रदर्शन

वर्ल्ड कप	होस्ट	मैच	गोल	टीम का प्रदर्शन
2006	जर्मनी	6	1	सेमीफाइनल
2010	दक्षिण अफ्रीका	4	1	राउंड ऑफ 16
2014	ब्राजील	3	1	ग्रुप स्टेज
2018	रूस	4	4	राउंड ऑफ 16
2022	कतर	5	1	क्वार्टर फाइनल
2026	अमेरिका-कनाडा-मेक्सिको	4	3	राउंड ऑफ 16

रिकॉर्ड

- छह अलग-अलग FIFA वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले पुरुष फुटबॉलर।
- पुर्तगाल के लिए वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा 11 गोल स्कोर किए हैं।
- वर्ल्ड कप नॉकआउट में गोल करने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज (41 साल 147 दिन) खिलाड़ी हैं।

अर्थ जगत

26 साल की सबसे बड़ी कटौती, सऊदी अरब ने सस्ता किया कच्चा तेल, भारत को कितना होगा फायदा?

रियाद। सऊदी अरब ने अगस्त के लिए कच्चे तेल की कीमत में 26 साल की सबसे बड़ी कटौती कर दी है। इससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह राहत की खबर मानी जा रही है। लेकिन आखिर सऊदी अरब ने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया?

क्या इससे पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा और महंगाई पर कितना असर पड़ेगा? आइए, विस्तार से जानते हैं... दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शामिल सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमत में 26 वर्षों की सबसे बड़ी कटौती कर वैश्विक ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है। अगस्त के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत में 11 डॉलर प्रति बैरल की कमी की गई है। इससे पहले जुलाई के लिए भी 6 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की गई थी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य होने के बाद तेल की आपूर्ति बढ़ गई है और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा भारत जैसे देशों को मिल सकता है, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं। सऊदी अरब ने एशियाई ग्राहकों के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत ओमान-दुबई बेंचमार्क से 1.50 डॉलर प्रति बैरल कम तय की है। वहीं ओपेक और उसके सहयोगी देशों, जिनमें रूस भी शामिल है, ने अगस्त से प्रतिदिन 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। इससे पहले जून और जुलाई में भी उत्पादन बढ़ाया गया था। बढ़ती आपूर्ति के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर लगभग 71.7 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। बाजार का मानना है कि अधिक आपूर्ति के चलते तेल की कीमतों पर दबाव बना रहेगा। सऊदी अरब ने इतनी बड़ी कटौती क्यों की? वैश्विक तेल बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

फारस की खाड़ी के प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ा दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही फिर सामान्य हो गई है। सऊदी अरब का कच्चे तेल का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर के करीब पहुंच गया है। संयुक्त अरब अमीरात ने भी तेल की आपूर्ति पूरी तरह बहाल कर दी है। ओपेक देशों ने अगस्त से उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। अधिक आपूर्ति के कारण बाजार में कीमतों पर दबाव बढ़ा है। एशियाई ग्राहकों को आकर्षित करने और बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए कीमतें घटाई गई हैं।

अमेरिकी बच्चों के लिए ट्रंप अकाउंट्स कार्यक्रम शुरू, 1000 डॉलर की निवेश राशि आज से ही मिलेगी

नयी दिल्ली। अमेरिकी सरकार ने भविष्य की पीढ़ी के लिए श्ट्रंप अकाउंट्सश् कार्यक्रम लॉन्च किया है। इसके तहत 2025 से 2028 के बीच जन्मे बच्चों को 1,000 डॉलर का प्रारंभिक निवेश मिलना शुरू हो गया है। बीएनवाई और रॉबिनहुड इस योजना के मुख्य साझीदार हैं। जानिए पूरी खबर। अमेरिका ने अपनी आने वाली पीढ़ियों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने श्ट्रंप अकाउंट्सश् नामक एक महत्वाकांक्षी निवेश कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस योजना के तहत वर्ष 2025 से 2028 के बीच जन्मे पात्र बच्चों को अमेरिकी सरकार की ओर से 1,000 डॉलर की पहली योगदान राशि मिलना शुरू हो गई है। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए वैश्विक बैंकिंग दिग्गज बीएनवाई (बीएनवाई) और प्रमुख फिनटेक प्लेटफॉर्म रॉबिनहुड ने हाथ मिलाया है, जिससे परिवारों में निवेश और बचत की एक नई लहर आने की उम्मीद है। श्ट्रंप अकाउंट्सश् योजना क्या है और इसके तहत किन्हें वित्तीय लाभ मिलेगा? अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा शुरू की गई श्ट्रंप अकाउंट्सश् योजना भविष्य की पीढ़ियों के लिए दीर्घकालिक निवेश का एक बड़ा मील का पत्थर है। इसके तहत, वे सभी पात्र बच्चे जिनका जन्म 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2028 के बीच हुआ है या होने वाला है, इस सरकारी निवेश के हकदार होंगे। योजना के औपचारिक शुभारंभ के साथ ही, आज 6 जुलाई 2026 से अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा इन योग्य बच्चों के खातों में सीधे 1,000 डॉलर का प्रारंभिक योगदान दिया जाना शुरू कर दिया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों को शुरुआती दिनों से ही बचत और निवेश की ताकत से परिचित कराना है। इस राष्ट्रीय निवेश कार्यक्रम को संचालित करने में वित्तीय संस्थानों की क्या भूमिका है? इस वित्तीय बुनियादी ढांचे को संभालने की जिम्मेदारी बीएनवाई को सौंपी गई है, जो इस कार्यक्रम के वित्तीय एजेंट के रूप में कार्य कर रहा है। बीएनवाई इसके तहत प्रारंभिक ट्रस्टी और ब्रोकरेज सेवाएं प्रदान करने के लिए श्रॉबिनहुडश् प्लेटफॉर्म के साथ काम कर रहा है। इस साझेदारी में रॉबिनहुड ब्रोकर और योजना के एकमात्र प्रारंभिक ट्रस्टी के रूप में सेवाएं दे रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर दोनों दिग्गज कंपनियों के प्रमुखों का क्या कहना है? इस पहल पर खुशी जाहिर करते हुए बीएनवाई के सीईओ रॉबिन विंस ने कहा कि श्ट्रम्प अकाउंट्सश् में लाखों बच्चों को बचत और निवेश की दीर्घकालिक शक्ति से रूबरू कराने की क्षमता है। वहीं, रॉबिनहुड के चेयरमैन और सीईओ व्लाद तेनेव ने कहा कि ष्स्वामित्व तभी सबसे अच्छा काम करता है जब यह जन्म से ही शुरू होष। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों को पहले दिन से ही एक मजबूत वित्तीय आधार देकर उनके श्अमेरिकन ड्रीमश् को साकार करने में मदद करेगा। कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्या विशेष योगदान दे रहा है और इसकी वित्तीय ताकत क्या है? इस कार्यक्रम में बीएनवाई सिर्फ एक प्रबंधकीय एजेंट नहीं है, बल्कि उसने अपने योग्य अमेरिकी कर्मचारियों के नवजात बच्चों के लिए सरकार के 1,000 डॉलर के योगदान के बराबर अपनी ओर से भी 1,000 का मैचिंग योगदान देने की घोषणा की है, जिससे उनका कुल निवेश दोगुना होकर 2,000 डॉलर हो जाएगा। बीएनवाई की वित्तीय ताकत की बात करें तो 31 मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, यह वैश्विक कंपनी 59.4 ट्रिलियन डॉलर की कस्टडीध्प्रशासन संपत्तियों और 2.1 ट्रिलियन डॉलर की प्रबंधित संपत्तियों की देखरेख करती है। श्ट्रम्प अकाउंट्सश् जनरेशनल इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम अमेरिकी परिवारों के लिए वित्तीय सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है।

गोयल बोले- 15-20 दिन में कानूनी समीक्षा पूरी होगी, ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते से क्या मिलेगा?

नयी दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (थ्ज्।) के मसौदे का कानूनी परीक्षण अगले 15-20 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य 2027 की पहली तिमाही तक इस समझौते को लागू करना है। इससे भारतीय निर्यातकों, विशेषकर चमड़ा उद्योग, को 27 यूरोपीय देशों के बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी। ईयू के अलावा भारत कई अन्य देशों के साथ भी नए व्यापार समझौतों पर तेजी से काम कर रहा है।

भारत और यूरोपीय संघ (म्न्) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (थ्ज्।) के मसौदे का कानूनी परीक्षण (लीगल स्क्रबिंग) अगले 15-20 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ ने जनवरी में इस व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। कानूनी परीक्षण पूरा होने के बाद इस वर्ष के अंत तक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने और अगले वर्ष से इसके लागू होने की संभावना है। 15-20 दिनों में कैसे पूरा होगा लीगल स्क्रबिंग का काम? काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (ब्स्म्) के एक पुरस्कार समारोह में गोयल ने कहा कि भारत और ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संघ की टीम मिलकर समझौते के मसौदे का कानूनी परीक्षण पूरा करने में जुटी है। उन्होंने कहा, श्अगले 15-20 दिनों में लीगल स्क्रबिंग का काम पूरा हो जाएगा।श् ब्रसेल्स, स्पेन और फिनलैंड दौरे का क्या है उद्देश्य? मंत्री ने बताया कि वह 14-15 जुलाई को कारोबारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ ब्रसेल्स जाएंगे। इसके बाद स्पेन और फिनलैंड का भी दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले से ही अपने उत्पादों, वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक प्रचार-प्रसार की तैयारी शुरू कर दी है ताकि एफटीए लागू होते ही भारतीय उद्योगों को अधिकतम लाभ मिल सके। यूरोपीय आयोग और व्यापार परिषद के साथ किन मुद्दों पर होगी चर्चा? गोयल ने बताया कि उनकी यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस शेफ्चोविच के साथ चर्चा हो चुकी है। ब्रसेल्स दौरे के दौरान वे यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, यूरोपीय परिषद के प्रतिनिधियों, व्यापार, डिजिटल प्रौद्योगिकी और विदेश मंत्रियों के साथ ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (ज्ज्ब) की बैठकों में हिस्सा लेंगे। भारत-म्न् थ्ज्। को 2027 तक लागू करने की क्या है योजना? उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ इस समझौते के कानूनी परीक्षण की प्रक्रिया को तेज करने पर भी काम कर रहे हैं ताकि इसे यूरोपीय आयोग और संसद से जल्द मंजूरी मिल सके। सरकार का प्रयास है कि 2027 की पहली तिमाही तक भारत-म्न् मुक्त व्यापार समझौता लागू हो जाए। उनके अनुसार, यह समझौता भारतीय कारोबारों के लिए 27 विकसित देशों के विशाल बाजार के द्वार खोलेगा और देश के निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। लेदर उद्योग को थ्ज्। से कितना फायदा मिलेगा? गोयल ने कहा कि भारत का चमड़ा और चमड़ा उत्पादों का निर्यात फिलहाल 4 से 4.5 अरब डॉलर के बीच है। उनका मानना है कि नए व्यापार समझौते विकसित देशों में इस क्षेत्र के लिए बड़े अवसर लेकर आएंगे। लेदर निर्यात को 15 अरब डॉलर तक पहुंचाने की तैयारी कैसे होगी? उन्होंने चमड़ा उद्योग से अगले 5-6 वर्षों में 15 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।